राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार, २जनवरी २०२१ वर्ष-३, अंक -३३४ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

बंगाल, पंजाब और बिहार के VIPs के पास है सबसे ज्यादा पुलिस सुरक्ष

नई दिल्ली। देश के विभिन्न राज्यों में पुलिसबलों की कमी के बावजूद वीआईपी ड्यूटी में स्वीकृत संख्या से ज्यादा पुलिसकर्मी सुरक्षा के लिए तैनात हैं। हालांकि, सुरक्षा ड्यूटी को तर्कसंगत बनाने के प्रयास कई राज्यों में किए गए हैं। केंद्रीय स्तर पर भी कोशिश की गई है। लेकिन खतरों के आधार पर दी जाने वाली सुरक्षा का बोझ कम नही हुआ है। ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरडी) ने एक जनवरी 2020 तक की स्थिति के आधार पर जारी रिपोर्ट में वीआईपी ड्यूटी की स्थिति को स्पष्ट किया है। बिहार में वर्ष 2019 में 2347 वीआईपी की सुरक्षा के लिए 5611 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया। हालांकि, यहां एक वर्ष पूर्व ज्यादा संख्या में सुरक्षा जरूरत के मद्देनजर 2019 में भी स्वीकृत संख्या ज्यादा रखी गई थी। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा 3142 वीआईपी के लिए 6247 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। यह स्वीकृत संख्या 1347 की तुलना में काफी ज्यादा है। पंजाब में 2594 वीआईपी के लिए 7714 पुलिसकर्मी तैनात किए गए। हरियाणा में 1355 वीआईपी के लिए 3074 और झारखंड में 1351 वीआईपी के लिए 1891 पुलिसकर्मियों को लगाया गया। उत्तर प्रदेश में 144 वीआईपी के लिए 2233 पुलिसकर्मी लगे हैं। दिल्ली में 501 वीआईपी के लिए 8182 पुलिसकर्मी हैं। जबकि इस काम के लिए स्वीकृत संख्या 7294 है। दिल्ली देश की राजधानी है। यहां देश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और विशिष्टजनों की मौजूदगी से सुरक्षा तैनाती ज्यादा रहती है। कुल 66043 पुलिसकर्मी वर्ष 2019 में वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी में लगाए गए। जबकि सुरक्षा ड्यूटी के लिए स्वीकृत संख्या 43566 है। वर्ष 2018 में 63061 पुलिसकर्मी वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी में थे जबकि स्वीकृत संख्या 40031 थी। कई राज्यों में पुलिस बलों की संख्या बढ़ाने और रिक्त पदों को भरने की कवायद के साथ वीआईपी ड्यूटी का बोझ कम करने की मांग सुरक्षा बलों की तरफ से भी होती रही है।

अलविदा 2020... शुभ स्वागतम् 2021... पूरी दुनिया में नए साल का जश्न

नई दिल्ली। नए साल के स्वागत में जहां न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के कई शहर जगमग दिखे वहीं भारत में भी इसकी धूम रही। सिडनी, मेलबर्न, आकलैंड जैसे शहरों में नए साल का स्वागत आतिशबाजी के साथ किया गया।

खट्टी-मीठी यादों के साथ हमने 2020 को अलविदा कह दिया है। दुनिया पूरे उत्साह के साथ 2021 का स्वागत कर रही है। 2020 जहां चुनौतियों का साल था तो वहीं 2021 से लोगों को राहत की उम्मीद है। नए साल के स्वागत में लोगों के मन के अंदर हर्षोल्लास देखा गया। लोग बढ़-चढ़कर नए साल का स्वागत करते दिखे। कोरोनावायरस महामारी से प्रभावित साल 2020 के बाद 2021 ऐसी खुशियां लेकर आ रहा है जिसमें सबको नई आशा और नई उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है।

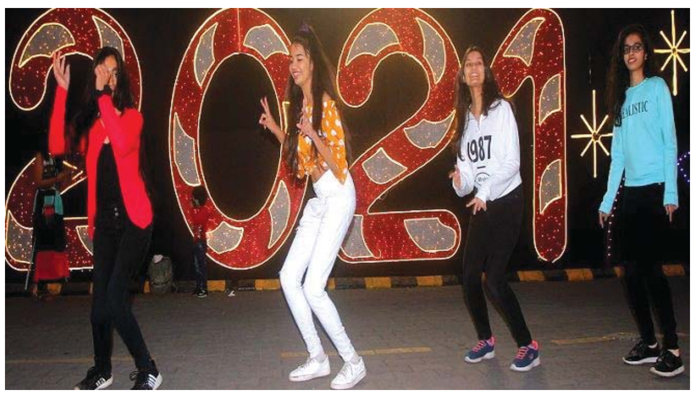

नए साल के स्वागत में जहां न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के कई शहर जगमग दिखे वहीं भारत में भी इसकी धूम रही। सिडनी, मेलबर्न, आकलैंड जैसे शहरों में नए साल का स्वागत आतिशबाजी के साथ किया गया। भारत में भी महानगरों में इसको लेकर जमकर तैयारियां की गई हैं। रात के 12:00 बजते ही पटाखों के शोर से आसमान गूंजयमान हो गया। नए साल के स्वागत के लिए लोगों ने केक की जमकर खरीदारी की और 12 बजते ही उसे काटकर जश्न मनाया।

साल के स्वागत में क्या बच्चे, क्या बूढ़े हैं, सभी ने खूब उत्साह दिखाया। मुंबई के जुहू बीच पर शाम में काफी भीड़ देखा गया। वही, शहरों के मॉल और पब में भी काफी भीड़ रही। हालांकि कोरोनावायरस को ध्यान में रखते हुए भारत के कई शहरों में रात्रि कर्फ्यू लागू हो जाने की वजह से इस बार का नए साल का जश्न थोड़ा फीका जरूर रहा। लेकिन लोगों के मन में नए साल को लेकर इतनी खुशियां है कि वह फीकापन दिखाई नहीं देता है। प्रभासाक्षी की ओर से आप सभी पाठकों को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को नववर्ष की बधाई दी, कहा- आपके जीवन में खुशियां और समृद्धि आए

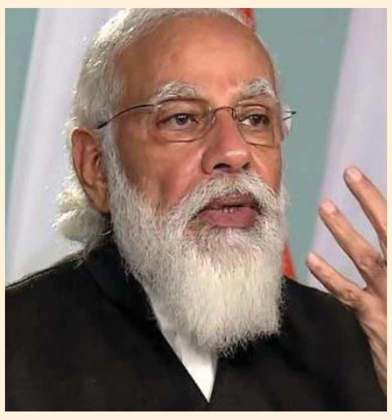

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को नये वर्ष के आगमन पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी तथा उनके सुख, समृद्ध और स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने ट्वीट किया, आप सभी को वर्ष 2021 की बधाई। यह साल आपके जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। उम्मीद और कल्याण की भावना प्रबल हो।

आपको बता दे कि खट्टी-मीठी यादों के साथ हमने 2020 को अलविदा कह दिया है। दुनिया पूरे उत्साह के साथ 2021 का स्वागत कर रही है। 2020 जहां चुनौतियों का साल था तो वहीं 2021 से लोगों को राहत की उम्मीद है। नए साल के स्वागत में लोगों के मन के अंदर हर्षोल्लास देखा गया। लोग बढ़-चढ़कर नए साल का स्वागत करते दिखे। कोरोनावायरस महामारी से प्रभावित साल 2020 के बाद 2021 ऐसी खुशियां लेकर आ रहा है जिसमें सबको नई आशा और नई उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है।

दाऊद इब्राहिम के गुर्गे माजिद का मददगार इनाम अली गिरफ्तार

1999 में मुम्बई के रास्ते फर्जी पासपोर्ट पर लौटा था भारत

जमशेदपुर। दाऊद इब्राहिम के गुर्गे अब्दुल माजिद कुट्टी को पनाह देने वाले टेल्को बारीनगर के मो. इनाम अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार करने के बाद उससे पूछताछ की जा रही है। उसके मोबाइल फोन को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस को उसके वर्तमान पासपोर्ट की तलाश है। उससे ही पता चलेगा कि इनाम कितनी बार मलेशिया गया था। पूछताछ में इनाम ने पुलिस को बताया कि वह वर्ष 1999 में मुम्बई के रास्ते फर्जी पासपोर्ट पर भारत लौटा था। उसका पासपोर्ट भी कुट्टी ने बनवाया था। उसने बताया कि दुबई में उसका पासपोर्ट छिन जाने के बाद वह कुट्टी के ही साथ रहा। उसके दोस्तों से उसकी मुलाकात होती थी। लेकिन वह उनलोगों को नहीं पहचानता था। उनलोगों ने ही उसका फर्जी पासपोर्ट बनाया। उस पासपोर्ट के जरिए वह मुम्बई में पहुंचा था। उसने बताया कि वह कुट्टी को अच्छी तरह जानता था कि वह दाऊद गिरोह से संबंध रखता है। उसने डर से पुलिस से पहले यह बात छिपाई थी। इधर, पुलिस देर रात तक उससे पूछताछ करती रही। पुलिस को कुट्टी के स्थानीय नेटवर्क के बारे में भी कई जानकारी मिली है। उसने

उन युवकों का नाम बताया है जो कुट्टी से मिला करते थे। एसएसपी तामिल वाणन ने बताया कि इनाम की संलिप्तता पायी गयी है। कुट्टी को जमशेदपुर लाने में उसका हाथ है और उसने मिलकर ही फर्जी तरीके से उसका पासपोर्ट बनाया था। उसने कई बातों को पहले पुलिस से छिपाया है। इसके आधार पर ही पुलिस अपनी कार्रवाई कर रही है। इसके लिए एक टीम का गठन किया गया है। टीम की रिपोर्ट आते ही उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

दिल्ली में हाड़ कंपाने वाली सर्दी, कोहरे की चादर में लिपटी रही राजधानी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में नए साल के आगाज के साथ बढ़ती ठंड का आगाज भी हो रहा। पूरे शहर पर कोहरे की चादर छाई है और कंपकंपा देने वाली ठंड है।क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार को मौसम का सबसे कम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह 7 बजे तक 0 दृश्यता के साथ पालम में बहुत घना कोहरा था। सुबह 7 बजे के बाद, दृश्यता में लगभग 150 मीटर तक सुधार हुआ। उत्तर पश्चिमी मैदानी इलाकों के कई हिस्सों ने पिछले कुछ दिनों में सब-जीरो या 0 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि इस साल निश्चित रूप से ठंड गंभीर है।

आईएमडी के वैज्ञानिकों ने कहा कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में शुक्रवार को भी शीतलहर जारी रहेगी, लेकिन न्यूनतम तापमान बढ़ने लगेगा और रविवार तक 7 डिग्री सेल्सियस को छूने की उम्मीद है। आईएमडी द्वारा गुरुवार को जारी किए गए डेटा से पता चला है कि इस दिसंबर का एमएमटी 7.1 डिग्री सेल्सियस था, जो 8.3 डिग्री सेल्सियस से कम था

देखने को मिला कोहरे का कहर

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार सुबह कोहरे के चलते कई यात्री फंसे हुए थे, जिससे आने वाली दो फ्लाइट डायवर्ट हो गईं और दूसरी फ्लाइटों की रवानगी में देरी हुई। लेकिन किसी भी उड़ान को रद्द नहीं किया गया, हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि प्रभाव कम था क्योंकि सभी तीन रनवे चालू थे।

उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में दक्षिण-पूर्वी हवाओं के कारण अगले 4 से 5 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। अगले 24 घंटों के दौरान हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में 'शीत लहर' से 'गंभीर शीत लहर' की स्थिति होने की संभावना है।

बनी रहेगी शीत लहर की स्थिति

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 31 दिसंबर को रात 9 बजे जारी अपने दैनिक बुलेटिन में कहा है कि अगले 2 दिनों के दौरान दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर की स्थिति गंभीर रहने की संभावना है। आईएमडी ने यह भी कहा कि अगले 2 दिनों के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ इलाकों में घने कोहरे की संभावना है।

चीन ने अरुणाचल तक बिछाई रेल लाइन, 435 किमी लंबे रेल मार्ग पर 47 सुरंगें और 120 पुल

बीजिंग। चीन ने अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सीमा के पास तिब्बत के ल्हासा और नयींगशी शहरों को जोड़ने के लिए रेल पटरी बिछाने का काम गुरुवार को पूरा कर लिया। आधिकारिक मीडिया में आई खबर में यह जानकारी दी गई है। तिब्बत में छिंघाई-तिब्बत रेलवे के बाद शिचुआन-तिब्बत रेलवे दूसरा रेलवे होगा। यह छिंघाई-तिब्बत पठार के दक्षिण पूर्व से गुजरेगा, जो विश्व के भूगर्भीय रूप से सर्वाधिक सक्रिय इलाकों में शामिल है।

शिचुआन-तिब्बत रेलवे, शिचुआन प्रांत की राजधानी चेंगदु से शुरू होता है और यह यान से गुजरते हुए और छामदो होते हुए तिब्बत में प्रवेश करता है। इस रेलमार्ग से चेंगदु और ल्हासा के बीच यात्रा में लगने वाला समय 48 घंटे से घटकर 13 घंटे रह गया है। नयींगशी को लिंझी नाम से भी जाना जाता है, जो अरूणाचल प्रदेश सीमा के निकट है। पिछले महीने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अधिकारियों को शिचुआन प्रांत और लिंझी को जोड़ने वाली नई रेल परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा था कि यह सीमा की स्थिरता की सुरक्षा में एक अहम भूमिका निभाएगा। इस रेल मार्ग की निर्माता तिब्बत रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के मुताबिक इस पर 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से रेलगाड़ी गुजर सकेगी। इस 435 किमी लंबे रेल मार्ग पर 47 सुरंगें और 120 पुल हैं। तिब्बत की राजधानी ल्हासा और पूर्वी तिब्बत में स्थित नयींगशी को जोड़ने वाले इस रेल मार्ग का निर्माण कार्य 2014 में शुरू हुआ था। रेल मार्ग का 90 प्रतिशत हिस्सा समुद्र तल से 3,000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर है।

बढ़ रहा खतरा-ब्रिटेन से दिल्ली लौटे 38 लोग कोरोना संक्रमित, 7 मरीजों में वायरस का नया स्ट्रेन मिला

नई दिल्ली। ब्रिटेन से हाल में दिल्ली लौटे सात लोगों के नए प्रकार के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने को इसकी जानकारी दी। इससे पहले दिन में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि ब्रिटेन से दिल्ली आए कुल 38 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है और उन्हें लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल परिसर में अलग से संस्थागत पृथकवास में रखा गया है।

उन्होंने बताया, 'चार ऐसे मरीज हैं जिनके, ब्रिटेन में मिले नए प्रकार के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उनके संपर्क में आए लोगों का पता

लगाकर उनकी जांच की जा चुकी है और उनमें संक्रमण नहीं मिला है। इस तरह दिल्ली में वायरस के नए प्रकार से संक्रमित यही चार मरीज हैं।' जैन ने कहा, 'उड़ानों पर रोक लग चुकी है जो लोग पहले आ गए थे उनका पता लगाया जा रहा है और तेजी से जांच की जा रही है।'

एक वरिष्ठ अधिकारी ने शाम में बताया कि ब्रिटेन से दिल्ली आए कुल सात लोगों में कोरोना वायरस के नए स्वरूप से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इनमें से चार लोग दिल्ली के हैं और बाकी लोग दूसरी जगहों के हैं। अधिकारियों ने बताया कि कि बुधवार को दिल्ली में कोविड-19 के 677 नए मामले सामने आए जबकि 21 और मरीजों की मौत हुई। वहीं दिल्ली में संक्रमण दर गिरकर महज 0.8 प्रतिशत रह गई है।

जैन ने कहा, संक्रमण की दर सात नवंबर के 15.26 प्रतिशत से गिरकर 0.8 प्रतिशत पर आ गई है। करीब 85 प्रतिशत बिस्तर खाली हैं और स्थिति में बहुत सुधार हुआ है। टीकाकरण की तैयारियों के बारे में उन्होंने बताया कि एक हजार टीकाकरण केंद्रों की स्थापना की गई है। जैन ने कहा कि शहर में रात्रि कर्फ्यू लगाया गया है और स्थिति अभी नियंत्रण में है, लेकिन बड़े जमावड़े के कारण फिर से दिक्कतें बढ़ सकती है।

ढाई लाख से अधिक अपात्रों ने हड़पी किसान सम्मान निधि, जानें किस जिले में कितनों ने किया फर्जीवाड़ा

प्रयागराज। छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक मदद के लिए शुरू की गई केंद्र सरकार ।की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में भी जालसाजों ने सेंधमारी कर दी। प्रदेश में ढाई लाख से अधिक अपात्र इस योजना का लाभ लेते मिले हैं। सबसे अधिक 66 हजार अपात्र शाहजहांपुर, 60 हजार प्रयागराज और 40 हजार प्रतापगढ़ में पाए गए हैं। बरेली में साढ़े 37 हजार अपात्र सामने आए हैं। गड़बड़ी पकड़े जाने के बाद ज्यादातर जिलों में अपात्रों से वसूली की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

निधि हड़पने वालों में नौकरी शुदा के साथ ही पेंशन पाने वाले भी शामिल हैं। खतौनी, बैंक पासबुक एवं आधार कार्ड के जरिए अपात्रों ने आवेदन कर निधि हड़प ली। लाभार्थियों का सत्यापन करने वालों ने भी इसमें जमकर लापरवाही बरती। कहीं सुविधा शुल्क लेकर तो कहीं अधिकारियों के दबाव में राजस्वकर्मियों ने अपात्रों को लाभार्थियों की सूची में शामिल कर लिया। ज्यादातर जिलों में इस गड़बड़ी के लिए लेखपालों को जिम्मेदार माना जा रहा है क्योंकि सत्यापन का जिम्मा उन्हीं के पास है। गड़बड़ी पकड़े जाने के बाद अपात्रों से रकम की वसूली के साथ ही दोषी लेखपालों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई है।

लखनऊ में आठ किसान अपात्र पाए गए हैं। इनमें से कुछ करदाता एवं कुछ पेंशनधारक हैं, कानपुर नगर में साढ़े चार हजार अपात्र मिले हैं। कहीं पति-पत्नी को सम्मान निधि दी जा रही है तो कहीं नौकरी करने वाले व भूमिहीन लोग इसका लाभ ले रहे हैं। चित्रकूट में 1986, उन्नाव में 66, कन्नौज में 25, ललितपुर में 302, फर्रुखाबाद में एक, हरदोई में 600 अपात्र मिले हैं। बनारस में 17454 अपात्र मिले हैं, खुलासा होने पर वसूली की जा रही है। गोरखपुर में 568 अपात्र मिले हैं। इनमें से 435 किसानों से सम्मान निधि वापस ली गई है। यहां छह हजार किसानों का डाटा सत्यापन की प्रक्रिया में है।

बदायूं में 117 अपात्र सामने आए हैं। चार लाख किसानों का सत्यापन चल रहा है। आगरा में 700 अपात्र मिले हैं, जिनकी जांच चल रही है। एटा के दस गावों में तीन हजार अपात्रों के खिलाफ निधि हड़पने का मामला चल रहा है। वहीं मैनपुरी में 28 अपात्रों ने कार्रवाई के भय से निधि की रकम लौटा दी है। मेरठ में 35521 लाभार्थी संदेह के घेरे में हैं। इनमें 15 हजार ऐसे हैं जिनके आधार कार्ड गलत हैं। पांच हजार किसानों के नाम का मिलान नहीं हो पा रहा है, वहीं 15 हजार किसानों की किस्त कागजात सही न होने से रोक दी गई है।

वर्ष 2018 में शुरू हुई थी योजना

किसानों को आर्थिक मदद देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने एक दिसंबर 2018 को किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत की थी। इसके तहत जरूरतमंद पात्र किसान के खाते में हर वर्ष छह हजार रुपए तीन समान किस्त में स्थानांतरित किए जा रहे हैं।

इस तरह करते हैं आवेदन

सम्मान निधि योजना के लिए किसानों को जनसेवा केंद्र के जरिए खतौनी, आधार कार्ड व बैंक पासबुक की छायाप्रति के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होता है। किसान के आवेदन का डाटा संबंधित तहसील को भेज दिया जाता है। इसके बाद राजस्व विभाग संबंधित किसान का पात्रता की श्रेणी में सत्यापन कर अपनी रिपोर्ट जारी करता है। राजस्व विभाग की ऑनलाइन रिपोर्ट मिलने के बाद संबंधित किसान के बैंक खाते में सम्मान निधि की किस्त भेजी जाती है।

ये हैं पात्रता की शर्तें

किसान सम्मान निधि के लिए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ही पात्र हैं। सरकारी विभाग में इसके ऊपर के पदों पर काम करने वालों को इसका लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा सेवानिवृत्त 10 हजार से अधिक पेंशन पाने वाले भी अपात्र की श्रेणी में हैं। लाभार्थी किसी भी संवैधानिक पद पर न हो। इसके अलावा अधिवक्ता, सीए व डॉक्टर भी योजना के लिए अपात्र हैं। आयकर देने वाले भी पात्रता की श्रेणी में नहीं आते।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

समय का अनवरत चक्र

फिर एक नये साल ने दस्तक दी है। यह समय का अनवरत चक्र है। महत्वपूर्ण यह है कि हमने बीते वक्त में विषम परिस्थितियों का कितने आत्मविश्वास के साथ मुकाबला किया और उनसे क्या सीखा। निस्संदेह, एक सदी के बाद दुनिया पर कहर बरपाती महामारी ने विकास का पहिया थाम दिया। जीवन पर संकट बड़ा था लेकिन इस संकट ने हमें जीवनशैली की विसंगतियों और कुदरत से इनसानी रिश्तों पर पुनर्विचार करने का अवसर भी दिया। यह भी बताया कि परमाणु शक्ति संपन्न और अंतरिक्ष विजय का दंभ पाले देशों को एक अदृश्य विषाणु ने लाचार कर दिया। महाशक्ति का दंभ भरने वाले देश इस विषाणु हमले में घुटनों पर आ गये लेकिन संकट के बाद ही नयी संरचना सामने आती है। जीवन की नयी कोंपलें उगती हैं। संकटों में तपकर इनसान मजबूत होता है। लेकिन इस संकट ने हमें हमारे खानपान, रहन-सहन और सामाजिक व्यवहार के कृत्रिम रूप का अहसास कराया। यह अहसास कराया कि बड़ी कोठी-बंगले और बड़ी-बड़ी कारों से बढ़कर जीवन में कुछ और भी महत्वपूर्ण है। यह भी कि जब सेहत का धन होता है तो बाकी धन बेकार हो जाते हैं। इस संकट में धनाढ्य लोग भी लाचार नजर आये। हमें इस मुश्किल समय को एक सबक के रूप में लेना चाहिए। पारिवारिक संस्था के महत्व को समझना चाहिए। हमें अपनी आवश्यकताओं की प्राथमिकता के बारे में सोचना चाहिए। इस दौरान विलासिता की चीजें और बाह्य आडंबर के तमाम साधन महज कागज के फूल ही साबित हुए। हमारी जीवनशैली से हासिल प्रतिरक्षा क्षमता ही मददगार बनी। इस चुनौती ने हमें बचत की महत्ता बतायी। यह बताया कि कैसे संकट के समय खून के रिश्ते भी विमुख हो जाते हैं और कैसे अनजान व बेगाने लोग तारणहार बन जाते हैं। यह भी कि मुश्किल वक्त में अपना घर ही सब कुछ होता है। दशकों बाद यह समय आया जब परिवार के लोग सबसे अधिक समय साथ रह सके। एक-दूसरे को समझ सके। ऐसा भी नहीं है कि यह संकट अंतिम है। आने वाले समय में हमें कई ऐसी चुनौतियों के लिये तैयार रहना चाहिए। यह संकट सरकारों के लिये भी सबक है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनायें। वहीं व्यक्ति के लिये सबक है कि जितना हो सके, प्रकृति के सान्निध्य में अपनी जीवनशैली विकसित करे। इस संकट में जब आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था असहाय नजर आई तो भारत की परंपरागत चिकित्सा प्रणाली जीवनदायिनी साबित हुई। योग और आयुर्वेद हमारा सुरक्षा कवच बना। हमारी रसोई दवाखाना बनी। कैलेंडर का बदलना यह संदेश देता है कि बीते सबकों के आलोक में नये जीवन की शुरुआत की जाये। नये संकल्पों को हकीकत में बदलने का प्रयास करें। बीते वक्त पर मंथन करें और नये लक्ष्य निर्धारित करें। यह जानते हुए कि हर समय एक जैसा नहीं रहता। पहले वाला समय नहीं रहा तो यह भी नहीं रहेगा। कुदरत अपनी चाल चलती रहेगी। संकट पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है बल्कि नये रूप में चुनौती दे रहा है। कुछ चीजें तो हमारे जीवन में हमेशा के लिये बदल जायेंगी। जिसे नये सिरे से सामान्य कहकर परिभाषित किया जायेगा। कुछ वर्जनाएं कुछ आने वाले वर्षों तक जीवन का हिस्सा बनी रहेंगी। जरूरत इस बात की होगी कि हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक रहे। जीवन में उल्लास व उमंग का अभाव न हो।

आज के ट्वीट

कानून

असम सरकार ने नया कानून बनाया है हर सरकारी कर्मचारी अपने माता पिता का ख्याल रखेंगे अगर कोई शिकायत मिली तो तनख्वाह सीधे माँ बाप को मिलेगी

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

नेपाल में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद चीन की सक्रियता

– पवन कुमार अरविंद

नेपाल पर अपनी पकड़ ढीली होती देख वहां की घरेलू राजनीति में इन दिनों चीन की सक्रियता कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। चीन की यह सक्रियता स्पष्ट रूप से दिख भी रही है। 20 दिसम्बर को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चीन की अपेक्षाओं से परे जाकर आनन-फानन में नेपाली संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा को भंग करने की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी से सिफारिश कर दी। ओली की सिफारिश के दो घंटे के अंदर राष्ट्रपति ने नेपाली संसद को भंग करने की अधिसूचना जारी कर दी। अधिसूचना में कहा गया है, राष्ट्रपति ने देश के संविधान के अनुच्छेद 76 और अनुच्छेद 85 के सेक्शन 1 एवं 7 के अनुसार संघीय संसद भंग किया है। इसी के साथ राष्ट्रपति ने नए जनादेश के लिए 30 अप्रैल और 10 मई को दो चरणों में चुनाव कराए जाने की घोषणा की। अधिसूचना के दो दिन बाद यानी 22 दिसम्बर को काठमांडू में चीन की राजदूत हाओ यांकी ने नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी से मुलाकात की। करीब घंटाभर चली इस मुलाकात में क्या बातचीत हुई, दोनों पक्षों की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई। हालांकि काठमांडू पोस्ट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति से मुलाकात के दो दिन बाद यानी 24 दिसम्बर को हाओ यांकी ने नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' से मुलाकात की थी। वैसे, किसी भी देश में पदस्थ राजदूत आमतौर पर उस देश की आंतरिक राजनीति से दूर रहते हैं, लेकिन चीनी राजदूत यांकी अपनी तैनाती के बाद से ही नेपाल के नेताओं के साथ मेल-मुलाकात करती रही हैं। शायद वो अपने आका चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सौंपे कार्य को ही पूरा कर रही हैं। वहीं, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप-मंत्री गुओ येज़ोऊ एक उच्चस्तरीय टीम के साथ 27 दिसम्बर को काठमांडू पहुंचे और नेपाल की राष्ट्रपति भंडारी और कार्यवाहक प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से अलग-अलग मुलाकात की। येजोऊ ने 28 दिसम्बर को प्रचंड, माधव कुमार नेपाल एवं झालानाथ खनल (सभी पूर्व प्रधानमंत्री) से मुलाकात की। उसके बाद उन्होंने जनता समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई से भी मुलाकात की। गुओ येजोऊ ने 29 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा से उनके आवास पर मुलाकात की। येजोऊ ने देउबा को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के 100 साल पूरे होने पर अगले साल आयोजित होने वाले समारोह में आमंत्रित भी किया है। हालांकि देउबा को बुलाने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन मुलाकात के दौरान येजोऊ ने उनको आमंत्रित करने का अचानक फैसला लिया। काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन की चार सदस्यीय यह टीम नेपाल में विभिन्न दलों के नेताओं का मन टटोल रही है। इसके साथ ही नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के दोनों धड़ों को अपने गिले-शिकवे भुलाकर फिर से एक होने के लिए प्रयासरत है। दरअसल नेपाल में बरसों के राजनीतिक उथल-पुथल और संघर्षों के बाद 20 सितम्बर, 2015 को नया संविधान अंगीकृत किया गया। नए संविधान के अनुसार नेपाल में नवम्बर-दिसम्बर, 2017 में प्रथम संसदीय चुनाव हुए। यह चुनाव केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की पार्टी सीपीएन-एमसी ने गठबंधन कर लड़ा था। नेपाली संसद के निचले सदन 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में सीपीएन-यूएमएल को 121 और सीपीएन-एमसी को 53 सीटें प्राप्त हुईं। नेपाली कांग्रेस को 63, राष्ट्रीय जनता पार्टी (नेपाल) को 17 और अन्य को 21 सीटें मिली थीं। चुनाव परिणाम के बाद सीपीएन-यूएमएल और सीपीएन-एमसी के मिलन से नई पार्टी नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी अस्तित्व में आई। दोनों दलों के विलय में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप-मंत्री गुओ येज़ोऊ ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। इस नई पार्टी, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के दो अध्यक्ष बने। 66 वर्षीय प्रचंड को कार्यकारी अध्यक्ष और 68 वर्षीय ओली को अध्यक्ष बनाया गया। वर्ष 2018 के पार्टी संविधान के अनुसार प्रचंड और ओली दोनों की पार्टी में बराबर की हैसियत थी। पार्टी की बैठकों की अध्यक्षता रोस्टर के अनुसार क्रमशः प्रचंड और ओली करते थे। चुनाव में अधिक सीटें जीतने के कारण ओली को प्रधानमंत्री का पद मिला। ओली ने 15 फरवरी 2018 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता गुओ येज़ोऊ समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। ओली सरकार ने 11 मार्च, 2018 को सदन में विश्वास मत हासिल किया। उनको 208 सांसदों का समर्थन मिला। सरकार गठन के बाद अपने-अपने लोगों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त कराने को लेकर ओली और प्रचंड के बीच खींचतान शुरू हो गई। सत्ता संघर्ष ज्यादा बढ़ जाने पर दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता कर चीनी राजदूत होऊ यांकी स्थिति को संभालती रहीं। कई बार ऐसा भी हुआ जब ओली और प्रचंड के बीच बातचीत तक बंद हो गई तो होऊ यांकी ने दोनों नेताओं की बातचीत भी कराई थी। पिछले तीन-चार महीनों में भारत के साथ सीमा विवाद और सरकार में कुछ नियुक्तियों समेत अन्य मुद्दों को लेकर दोनों पक्षों में सत्ता संघर्ष इस कदर बढ़ा कि यह किसी के संभालने से भी नहीं संभला। ओली ने मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाकर प्रतिनिधि सभा भंग करने की सिफारिश कर दी। ओली के फैसले के बाद नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी फिर दो खेमों में बंट गई है। एक का नेतृत्व ओली कर रहे हैं और दूसरे का प्रचंड। ओली और प्रचंड दोनों; नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी पर अपना-अपना दावा पेश कर रहे हैं। दोनों खेमे पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न सूर्य को लेकर भी अपना दावा कर रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के खिलाफ कार्रवाई भी कर रहे हैं। दोनों धड़ों ने चुनाव आयोग के सामने पार्टी पर नियंत्रण रखने के लिए बहुमत होने का दावा किया है, लेकिन अभीतक किसी को नहीं पता है कि किस धड़े के नेतृत्व वाली नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को मान्यता मिलेगी। इस बीच 24 दिसम्बर को निवर्तमान गृहमंत्री राम बहादुर थापा पाला बदलते हुए ओली खेमे में चले गए। राजशाही के खिलाफ संघर्ष में माओवादी नेता थापा, प्रचंड के अहम सहयोगी रहे हैं। थापा का कहना है कि फिर से चुनाव कराने का फैसला क्रांतिकारी कदम है। थापा के ओली खेमे में जाने से प्रचंड को बड़ा झटका लगा है। वहीं नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के प्रभारी पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल प्रचंड के साथ बने हुए हैं। कार्यवाहक प्रधानमंत्री ओली का कहना है कि उनके पास प्रतिनिधि सभा भंग करने की सिफारिश करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। प्रचंड और माधव कुमार नेपाल की विकृत गतिविधियों के कारण यह स्थिति बनी है। प्रचंड और माधव कुमार नेपाल कम्युनिस्ट आंदोलन को नष्ट करने पर तुले हैं। बहरहाल, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी का इस तरह बंटना चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को रास नहीं आया। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी दोनों खेमों को एक करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। चीनी नेताओं के काठमांडू दौरे पर नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपाध्यक्ष एवं प्रचंड के समर्थक राम कार्की का कहना है कि हमलोगों के बीच भाईचारे का रिश्ता न केवल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से है बल्कि भारत और बांग्लादेश की कम्युनिस्ट पार्टियों से भी है। यह एक रूटीन दौरा है। चीनी नेताओं का यहां आना-जाना लगा रहता है। कार्की का कहना है कि ओली ने संसद भंग करने की सिफारिश कर गलत कदम उठाया है। ओली; कम्युनिस्ट एजेंडा चलाने के बजाय नव उदारवाद की राह पर बढ़ रहे हैं। चीन के प्रति नरम रुख रखने वाले ओली ने 20 दिसम्बर को अचानक पैंतरा बदलकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया। काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक ओली के रुख में यह परिवर्तन ऐसे ही नहीं आया, बल्कि इसका प्रमुख कारण 21अक्टूबर से 27 नवम्बर के बीच भारत के तीन शीर्ष अधिकारियों का नेपाल का दौरा है। पहले, भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के प्रमुख सामंत कुमार गोयल, फिर सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे और उसके बाद विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने नेपाल का दौरा किया। इस दौरे से ओली को एक संबल मिला और उन्होंने चीन के दबाव से अपने को मुक्त किया।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ज्ञान गंगा

राजनीतिक रुख

जग्गी वासुदेव

एक सक्रिय लोकतंत्र का मतलब है कि आप कभी किसी तरह की विचारधारा को न अपनाएं। अमेरिका में यह बहुत सशक्त तरीके से हुआ। वह दो अलग-अलग धर्मो की तरह बन गया आप डेमोक्रेट हैं या रिपब्लिकन। यह इस तरह बन गया- 'मेरे दादा रिपब्लिकन थे, मेरे पिता रिपब्लिकन थे इसलिए मैं भी रिपब्लिकन हूं। एक बार ऐसा हुआ..डेमोक्रेट एक रेड स्टेट में प्रचार कर रहे थे जो हमेशा रिपब्लिकन को वोट देते हैं। एक डेमोक्रेट ने किसी से पूछा, 'आप डेमोक्रेट को क्यों नहीं वोट देते?' उस आदमी ने जवाब दिया, 'मेरे दादा रिपब्लिकन थे, मेरे पिता रिपब्लिकन थे इसलिए मैं भी रिपब्लिकन हूं।' डेमोक्रेट चिढ़कर बोला, 'मान लो तुम्हारे दादा मूर्ख थे और तुम्हारे पिता मूर्ख थे, तो तुम क्या हो?' उस आदमी ने जवाब दिया, 'तो फिर मैं डेमोक्रेट होता। आपने उनका सिंबल देखा है? तो, एक जीवित लोकतंत्र में आपको कभी कोई विचारधारा नहीं अपनानी चाहिए। यह बात हम लोग भूल चुके हैं। हमारा देश भी उसी दिशा में बढ़ रहा है- 'आप यहां के हैं या वहां के?' मैंने अगले चुनाव के लिए अभी मन नहीं बनाया है। पहले देखते हैं कि कौन कैसा प्रदर्शन करता है, कौन अधिक समझदारी दिखाता है। मैं राइट, लेफ्ट, सेंटर हूं? जैसे ही आप यह रुख अपनाते हैं, आप लोकतंत्र को नष्ट कर रहे हैं और उसे वापस सामंतवाद की ओर ले जा रहे हैं- 'हम इस ट्राइब (कबीले) के हैं, इसलिए हम हमेशा इसी को वोट देंगे!' फिर कोई लोकतंत्र नहीं बचेगा। एक लोकतंत्र का मतलब है कि हर बार आप मूल्यांकन करते हैं कि आप कौन सा रुख लेना चाहते हैं। और वह कोई स्थायी रुख नहीं होगा। फिलहाल, अमेरिका में मेरे ख्याल से सिर्फ चार से पांच फीसद लोग यह तय करते हैं कि कौन जीतेगा और कौन हारेगा। बाकी लोगों का मत तय होता है। भारत में प्रतिशत शायद दस से बारह फीसद या ज्यादा से ज्यादा पंद्रह फीसद हो सकता है, मगर मेरे ख्याल से आने वाले चुनाव के बाद हमारे प्रतिशत भी अमेरिका की तरह हो जाएंगे क्योंकि अब स्थिति बहुत विकृत होती जा रही है। आपको या तो इधर रहना है या उधर। आप यह नहीं कह सकते कि आप कहीं नहीं हैं! एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया की असाधारण उपलब्धि यही है कि बिना किसी रक्तपात (खून खराबे) के सत्ता बदल जाती है।

आज का राशिफल

मेष	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।
वृषभ	आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
कर्क	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।
सिंह	पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
तुला	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
वृश्चिक	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
धनु	संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।
मकर	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।
कुम्भ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

आपदा में अवसर का कलेंडर वर्ष 2020

– डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

कलेंडर वर्ष 2020 कोरोना आपदा के लिए इतिहास में दर्ज हुआ। कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण जनजीवन गहराई तक प्रभावित हुआ। जिन्होंने इस पीड़ा को झेला, जिन कोरोना योद्धाओं ने पीड़ितों की जी जान से सहायता की, उसे शब्दों में व्यक्त करना असंभव है। कोरोना के खिलाफ जंग में एकजुट प्रयास अपरिहार्य थे। शुरुआत में तो टेस्टिंग की भी सुविधा नहीं थी। भारत ने सबसे पहले राष्ट्रीय एकजुटता का सन्देश दिया। ताली-थाली और फिर ज्योति प्रज्वलन इसके मनोवैज्ञानिक माध्यम थे। इसके द्वारा कोरोना से बचाव के सामूहिक प्रयास की चेतना जागृत हुई। इसी संकट के दौरान प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू किया। इसके लिए अबतक का सबसे बड़ा आर्थिक पैकेज दिया गया। गरीबों के लिए विश्व की सबसे बड़ी राहत योजनाओं का संचालन किया गया। कोरोना की शुरुआत के साथ ही चिकित्सा सुविधा पर सर्वाधिक ध्यान रहा। यह संयोग था कि इस कलेंडर वर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजकोट में एम्स के शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आजादी के इतने दशकों बाद भी सिर्फ छह एम्स ही बन पाए थे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने छह नए एम्स बनाने के लिए कदम उठाए थे। लेकिन यूपीए सरकार का काम सुस्त रहा। इन्हें बनाने में नौ साल लग गए थे। जबकि बीते छह वर्षों में दस नए एम्स बनाने पर काम हो चुका है। जिनमें से कई आज पूरी तरह काम शुरू कर चुके हैं। एम्स के साथ ही देश में बीस एम्स जैसे सुपर स्पैशिलिटी हॉल्पिटल्स पर भी काम किया जा रहा। आयुष्मान भारत विश्व की सबसे बड़ी हेल्थ योजना है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस योजना से गरीबों के लगभग हजार करोड़ रुपये ज्यादा बचे हैं। इस योजना ने गरीबों को कितनी बड़ी आर्थिक चिंता से मुक्त किया है। अनेकों गंभीर बीमारियों का इलाज गरीबों ने अच्छे अस्पतालों में मुफ्त कराया है। यूपीए के समय हेल्थ सेक्टर अलग-अलग दिशा में, अलग-अलग अप्रोच के साथ काम कर रहा था। प्राइमरी हेल्थ केयर का अपना अलग सिस्टम था। गांव में सुविधाएं न के बराबर थी। वर्तमान सरकार ने हेल्थ सेक्टर में होलिस्टिक तरीके से काम शुरू किया। इस दौरान बचाव के साथ ही इलाज की आधुनिक सुविधाओं को भी प्राथमिकता दी। साढ़े तीन लाख से ज्यादा गरीब मरीजों को हर रोज इन जन सुविधा केंद्रों का लाभ मिल रहा है। सस्ती दवाओं की वजह से गरीबों के हर साल औसतन छत्तीस हजार करोड़ रुपये खर्च होने से बच रहे हैं। डॉक्टरों की संख्या में भी तेजी से वृद्धि की जा रही है। पिछले छह वर्षों में एमबीबीएस में इकतीस हजार नई सीटें जोड़ी गई हैं, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में चौबीस हजार नई सीटें जोड़ी गई हैं। भारत स्वास्थ्य के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर बदलाव की ओर बढ़ रहा है। भारत ने मांग के अनुसार अनुकूलन, विकास और विस्तार करने की अपनी क्षमता साबित की है। कोरोना काल के दौरान गरीबों को राहत पहुंचाने के लिए अभूतपूर्व योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया। लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत महिलाओं के जनधन खातों में पांच पांच सौ रुपये की किश्त भेजी। इसके अलावा राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं और दिव्यांगों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई। लॉकडाउन में खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा सभी राशन कार्ड धारकों को दो गुना राशन देने की व्यवस्था की गई। बाद में इसका समय भी बढ़ाया गया। प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत बारह करोड़ किसानों को सम्मान धनराशि प्रदान की गई। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने तैतीस हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत की थी। उज्ज्वला योजना के जरिए फ्री गैस प्रदान की गई। लॉकडाउन में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को भी शामिल किया गया। उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस दी गई। नरेन् द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के क्रियान्वयन हेतु बीस लाख करोड़ रुपये के विशेष आर्थिक और व्यापक पैकेज दिया। यह भारत के सकल घरेलू उत पाद दस प्रतिशत के बराबर है। उन्होंने आत मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया था। यह अभियान निरन्तर प्रगति पर है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सूचीबद्धता के दिन 30 प्रतिशत बढ़त के साथ बंद हुआ एंटोनी वेस्ट का शेयर

नयी दिल्ली. एंटोनी वेस्ट हैंडलिंग सेल के शेयर ने शुक्रवार को कारोबार की बढ़िया शुरुआत की। कंपनी का शेयर सूचीबद्धता के बाद कारोबार के पहले दिन निर्गम दर की तुलना में करीब 30 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 407.25 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी ने 315 रुपये के भाव पर शेयर जारी किये थे। एंटोनी वेस्ट हैंडलिंग का शेयर बीएसई पर 36.50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 430 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में कारोबार के दौरान शेयर बढ़कर 492.75 रुपये के भाव पर पहुंच गया, जो 56.42 प्रतिशत की बढ़त है। अंततः यह 29.28 प्रतिशत की बढ़त लेकर 407.25 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर शेयर 436.10 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुए, जो 38.44 प्रतिशत की बढ़त है। एनएसई पर यह 29.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 409 रुपये पर बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1,151.99 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के 300 करोड़ रुपये के आईपीओ को पिछले महीने 15 गुना अभिदान मिला था।

नया एलजी विंग हुआ अपडेट, डुअल स्क्रीन के इस्तेमाल में होगी आसानी

सोल। एलजी ने अपने डुअल स्क्रीन स्मार्टफोन विंग में इस मकसद के साथ एक बहुत बड़ा अपडेट किया है, जिससे कि इसमें मल्टीटास्किंग कार्यक्षमता को बेहतर बनाया जा सके। एलजी विंग स्मार्टफोन के लिए इस अपडेट को वेरिजोन के माध्यम से पेश किया गया है। जीएसएमएरिना की रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें नवंबर 2020 से एंड्रॉयड सुरक्षा पैच शामिल है। इस हालिया सॉफ्टवेयर अपडेट में फेच/सेंड बटन और एक फिंगर जेस्चर को शामिल किया गया है ताकि एक ऐप को एक स्क्रीन से दूसरे स्क्रीन में भेजने में आसानी हो। इसमें एक और नया अपडेट शामिल है, जिसके तहत ऐप/विजेट/फोल्डर के नामों को दूसरे स्क्रीन के होम स्क्रीन पर देखा जा सकेगा। ऐसे में यूजर्स द्वारा दूसरे स्क्रीन पर जिस ऐप को शामिल करना है उस काम में आसानी हो जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है, ण्लजी विंग में लाए गए इस नए अपडेट में कैमरा ऐप से ही सीधे तौर पर क्यूआर कोड को स्कैन किया जा सकेगा। इसमें वाई-फाई सेटअप को भी आसान किए जाने की बात कही जा रही है। अपडेट में 5जी आइकॉन में भी बदलाव लाया गया है और एक अतिरिक्त डिफॉल्ट वॉलपेपर को शामिल किया गया है।

टोयोटा किर्लोस्कर ने दिसम्बर में बेचे 7487 वाहन

चेन्नई। भारतीय-जापानी कार कम्पनी टोयोटा किर्लोस्कर ने शुक्रवार को कहा कि उसने दिसम्बर में कुल 7487 वाहनों की बिक्री की। कम्पनी द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि उसने बीते महने 7487 वाहन बेचे जबकि बीते साल इसी महीने में उसने 6544 वाहन बेचे थे। कम्पनी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट नवीन सोनी ने कहा कि दिसम्बर में 2020 में कम्पनी ने बीते साल दिसम्बर माह की तुलना में बिक्री के मामले में 14 फीसदी का विकास किया है। कम्पनी अगले सप्ताह नई फार्च्यूनर लॉन्च करने का जा रही है।

सरसों की खेती में किसानों ने झोंकी ताकत, करीब 9 फीसदी बढ़ा रकबा

नई दिल्ली।
खाने के तेल की महंगाई को देख आगे अच्छे भाव मिलने की उम्मीदों से देश के किसानों ने सरसों की खेती में इस बार ताकत झोंकी है। सरसों का रकबा पिछले साल के मुकाबले करीब नौ फीसदी बढ़ गया है जबकि अन्य तिलहनों का रकबा घटा है। रबी सीजन की प्रमुख गेहूं और चना समेत अन्य प्रमुख दलहनी फसलों की बुवाई भी पिछले साल के मुकाबले बढ़ी है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देशभर में फसल वर्ष 2020-21 (जुलाई-जून) के चालू रबी सीजन में किसानों ने अब तक गेहूं की बुवाई 325.35 लाख हेक्टेयर में की है, जोकि पिछले साल से 3.63 फीसदी अधिक है। वहीं, दलहनी फसलों का रकबा 154.80 लाख हेक्टेयर है, जोकि पिछले साल से 6.67 फीसदी अधिक है। दलहनों में चना की बुवाई सबसे ज्यादा 105.83 लाख हेक्टेयर में हुई है, जोकि पिछले साल से 5.77 फीसदी ज्यादा है। अन्य प्रमुख रबी दलहन फसल मसूर का रकबा 16.19 लाख हेक्टेयर है जो कि पिछले साल से चार फीसदी अधिक है। रबी सीजन की प्रमुख तिलहन फसल सरसों की बुवाई 72.39 लाख हेक्टेयर में हुई है, जोकि पिछले साल से आठ फीसदी ज्यादा है। बाजार के जानकार बताते हैं कि खाने के तेल की महंगाई को देखते हुए सरसों के अच्छे दाम मिलने की उम्मीदों में किसानों ने सरसों की खेती में ताकत झोंकी है। हालांकि कृषि वैज्ञानिक बताते हैं कि सरकार द्वारा तिलहनों की खेती को बढ़ावा देने से किसानों की दिलचस्पी बढ़ी है। रबी सीजन की सभी तिलहनी फसलों का रकबा 80.61 लाख हेक्टेयर है जोकि पिछले साल से 6.16 फीसदी ज्यादा है। हालांकि, मूंगफली, सूर्यमुखी, कुसुम, अलसी और तिल के रकबे में गिरावट आई है। मोटे अनाजों का रकबा पिछले साल से 9.57 फीसदी घटकर 45.12 लाख हेक्टेयर रह गया है। धान का रकबा भी पिछले साल से 4.15 फीसदी घटकर 14.83 लाख हेक्टेयर रह गया है।

भारत और ब्रिटेन के बीच फिर बहाल होगी हवाई सेवा, केंद्रीय मंत्री ने दी जानकारी

नेशनल डेस्क :

भारत और ब्रिटेन के बीच फिर से उड़ान सेवा शुरू होगी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ट्वीट कर बताया कि 8 जनवरी से 23 जनवरी के बीच 15 उड़ानें संचालित की जाएंगी, जिसमें दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरू के लिए उड़ानों का संचालन होगा। बता दें कि ब्रिटेन में कोरोना का नया म्यूटेंट मिलने के बाद अस्थाई तौर पर उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पुरी ने ट्वीट किया, ÷यह निर्णय लिया गया है कि भारत और ब्रिटेन के बीच उड़ानें 8 जनवरी 2021 से शुरू होंगी। 23 जनवरी तक परिचालन केवल दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद से दोनों देशों के वाहक के लिए प्रत्येक सप्ताह 15 उड़ानों तक सीमित रहेगा।

यूपीआई के जरिये लेन-देन पर पहले की तरह कोई शुल्क नहीं लगेगाः एनपीसीआई

नयी दिल्ली,

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने शुक्रवार को कहा कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से पैसे भेजना या प्राप्त करना मुफ्त बना रहेगा। एनपीसीआई ने एक बयान में कहा कि एक जनवरी, 2021 से यूपीआई के जरिये पैसा भेजने या प्राप्त करने पर शुल्क लगाये जाने की रिपोर्ट गलत है। फिलहाल, यूपीआई के जरिये लेन-देन पर कोई शुल्क नहीं लगता। एनपीसीआई सुगम और निरंतर यूपीआई लेनदेन की व्यवस्था जारी रखेगी। वर्ष 2008 में गठित एनपीसीआई भारत में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणाली के लिये विभिन्न संस्थानों को सुविधा देने वाला संगठन है।

कोविड की तबाही के बाद बजट तय करेगा अर्थव्यवस्था के सुधरने की गति

नयी दिल्ली,

अर्थव्यवस्था के खुलने के साथ-साथ कारोबार के संचालन में वृद्धि, व्यवधान में कमी तथा टीका आने से भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार की उम्मीद है। हालांकि, अर्थव्यवस्था के आगे की गति बहुत हद तक 2021-22 के बजट पर भी निर्भर करेगी। भारत 2019 में ब्रिटेन को पीछे छोड़ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, लेकिन महामारी की तबाही तथा लॉकडाउन के चलते व्यवसाय के ठप्प हो जाने, उपभोग कमजोर पड़ने, निवेश कम हो जाने, रोजगार के नुकसान आदि ने अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया। कुल मिलाकर असर ऐसा रहा कि 2020 में भारत फिसलकर छठे स्थान पर आ गया। इस साल अप्रैल से नये वित्त वर्ष की शुरुआत होगी। एक महीने बाद नये वित्त वर्ष के लिये वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी। ऐसे में बजट का ध्यान मंदी के झोंकों से अर्थव्यवस्था को उबारने की होगी। विश्लेषकों का मानना है कि सरकार की व्यय योजनाओं विशेषकर बुनियादी संरचनाओं तथा सामाजिक क्षेत्रों में और महामारी व लॉकडाउन से प्रभावित समूहों को राहत से सुधार की गति तय होगी। भारतीय अर्थव्यवस्था की गति कोरोना वायरस महामारी के आने के पहले से ही सुस्त होने लगी थी। वर्ष 2019 में आर्थिक वृद्धि की गति 10 साल से अधिक के निचले स्तर 4.2 प्रतिशत पर आ गयी थी, जो इससे एक साल पहले 6.1 प्रतिशत थी। महामारी ने लगभग 1.5 लाख लोगों की मौत के साथ भारत के लिये एक मानवीय और आर्थिक तबाही ला दी। हालांकि, यूरोप और अमेरिका की तुलना में प्रति लाख मौतें काफी कम हैं, लेकिन आर्थिक प्रभाव अधिक गंभीर था। अप्रैल-जून में जीडीपी अपने 2019 के स्तर से 23.9 प्रतिशत कम थी। यह बताता है कि वैश्विक मांग के गायब होने और सख्त राष्ट्रीय लॉकडाउन की श्रृंखला के साथ घरेलू मांग के पतन से देश की आर्थिक गतिविधियों के लगभग एक चौथाई का सफाया हो गया था। अगली तिमाही में जीडीपी में 7.5 प्रतिशत की गिरावट ने एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को एक अभूतपूर्व मंदी में धकेल दिया। बाद में धीरे-धीरे पाबंदियों को हटा दिया गया, जिसने अर्थव्यवस्था के कई हिस्सों को वापस पटरी पर आने में सक्षम किया। हालांकि, उत्पादन महामारी से पहले के स्तर से नीचे ही रहा। इस बीच जब भरपूर फसल उत्पादन के साथ कृषि क्षेत्र भारत की आर्थिक में सुधार की चालक रही है, कोविड-19 संकट के जवाब में सरकार की प्रोत्साहन लागत अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक संयमित रही है। सीतारमण ने कुल प्रोत्साहन पैकेज 29.87 लाख करोड़ रुपये या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 15 प्रतिशत घोषित किया। यह चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकार के कुल बजट खर्च के बराबर राशि है, लेकिन इसमें वास्तविक राजकोषीय लागत सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 1.3 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया है, जिसमें प्रोत्साहन कार्यक्रम के लिए 0.7 प्रतिशत शामिल है और यह व्यय भी पांच साल में होना है। अधिकांश विश्लेषकों ने इस खर्च को अपर्याप्त माना। ऐसे में अर्थव्यवस्था आने वाले समय में क्या गति प्राप्त करेगी, यह बहुत हद तक आगामी बजट पर निर्भर करने वाला है। सरकार की राजस्व आय कम होने के कारण यह स्थिति रही है। लॉकडाउन के कारण सरकारा राज्यों की जीएसटी नुकसान की भरपाई के लिये भी संसाधन नहीं जुटा पाई, जिसे अंततः कर्ज लेकर पूरा करना पड़ा है।

नये साल के पहले दिन बाजार रिकार्ड ऊंचाई पर, निफ्टी 14,000 अंक के पार

मुंबई,

नये साल के पहले दिन बाजार में तेजी का सिलसिला जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को रिकार्ड ऊंचाई पर जबकि एनएसई निफ्टी पहली बार 14,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। आईटी, वाहन और दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आयी। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स लगातार पांचवें दिन रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को यह 117.65 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 47,868.98 अंक की रिकार्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। यह लगातार आठवां कारोबारी सत्र है जब सूचकांक मजबूत हुआ और 22 दिसंबर से इसमें करीब 5 प्रतिशत की तेजी आयी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 36.75 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ अब तक के उच्चतम स्तर 14,018.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, निफ्टी 14,049.85 जबकि सेंसेक्स 47,980.36 की रिकार्ड ऊंचाई को छू गया था। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में आईटीसी में सर्वाधिक 2.32 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा टीसीएस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारती एयरटेल में भी अच्छी तेजी रही। टीसीएस ने कहा कि उसके निदेशक मंडल की आठ जनवरी को बैठक होगी जिसमें वित्तीय परिणाम को मंजूरी दी जाएगी और शेयरधारकों को तीसरा अंतरिम लाभांश दिये जाने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। इस घोषणा के बाद कंपनी का शेयर 2.02 प्रतिशत मजबूत हुआ। अन्य आईटी कंपनियों में टेक महिंद्रा 0.23 प्रतिशत, इन्फोसिस 0.36 प्रतिशत और एचसीएल टेक 0.43 प्रतिशत मजबूत हुए। डा. रेड्डीज, एल एंड टी, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, नेस्ले और अल्ट्राटेक सीमेंट में भी तेजी रही। दिसंबर में बिक्री अच्छी रहने से वाहन कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति की बिक्री दिसंबर 20 प्रतिशत बढ़ी। कंपनी का शेयर 0.53 प्रतिशत जबकि बजाज ऑटो 1.03 प्रतिशत मजबूत हुआ। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.62 प्रतिशत की तेजी आयी। हालांकि, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक में मुनाफावसूली के कारण क्रमशः 1.36 प्रतिशत और 0.83 प्रतिशत की गिरावट आयी। इसके अलावा जिन अन्य शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें टाइटन, बजाज, फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और एनटीपीसी शामिल हैं। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 895.44 अंक यानी 1.90 प्रतिशत जबकि निफ्टी 269.25 अंक यानी 1.95 प्रतिशत मजबूत हुए। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, ''जीएसटी संग्रह में उछाल के साथ नये साल के पहले दिन बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। हमने कंपनियों के तिमाही नतीजे से पहले कुछ शेयरों के प्रति निवेशकों का आकर्षण देखा।' उन्होंने कहा, ''टीसीएस की अगुवाई में तेजी आयी जबकि वाहन कंपनियों ने उसे गति दी। कई वाहन कंपनियों ने दाम बढ़ाये जाने की शुक्रवार को घोषणा की।' इस बीच, जीएसटी संग्रह दिसंबर में रिकार्ड 1.15 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने और अर्थव्यवस्था में तेजी को बताता है। वर्ष 2020 में सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 15 प्रतिशत की तेजी आयी। सेंसेक्स 15.7 प्रतिशत जबकि निफ्टी 14.9 प्रतिशत मजबूत हुआ। शेयर बाजारों में तेजी का मुख्य कारण एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों) का पूंजी प्रवाह है। शेयर बाजार के पास उपलब्ध अस्थायी आंकड़े के अनुसार एफपीआई ने बृहस्पतिवार को 1,135.59 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। अमेरिकी शेयर बाजार भी बृहस्पतिवार को रिकार्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। पिछले साल एस एंड पी 500 सूचकांक 16.3 प्रतिशत, नैसदैक 43.6 प्रतिशत और डो जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 7.2 प्रतिशत मजबूत हुए। शुक्रवार को नये साल के मौके पर ज्यादातर वैश्विक बाजार बंद रहे।

जोमैटो ने नए साल पर बनाया रिकॉर्ड, हर मिनट मिले 4,200 से अधिक ऑर्डर

बिजनेस डेस्क :

नए साल की पूर्व संध्या पर ऑनलाइन ऑर्डर लेकर रेस्टोरेंट से घर तक खाना पहुंचाने वाली सर्विस जोमैटो पर लोगों ने जमकर फूड ऑर्डर किए। ऑनलाइन रेस्तरां गाइड और फूड ऑर्डरिंग प्लेटफॉर्म जोमैटो को नए साल की पूर्व संध्या पर हर मिनट 4,200 से अधिक ऑर्डर मिले जो कि अब तक का हाइएस्ट रिकॉर्ड है। कोरोना वायरस महामारी के बीच कई राज्यों में नाइट कर्फ्यू लागू होने की वजह से लोगों ने जोमैटो के जरिए ही फूड ऑर्डर किए। जोमैटो के फाउंडर और ष्टश्वह्र दीपिंदर गोयल ने इन ऑर्डर्स के बारे में सिलसिलेवार ट्वीट के जरिए जानकारी दी। इन ट्वीट्स में उन्होंने यह भी बताया कि कुल कितने वैल्यू का ऑर्डर आया और उनकी टीम पर इन ऑर्डर्स को पूरा करने के लिए कितना दबाव रहा। भारत के बाहर अन्य देशों से भी जोमैटो को ऑर्डर मिले, विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात, लेबनान और तुर्की के लोग भारत में रह रहे लोगों के लिए भारतीय ऐप पर ऑर्डर दे रहे थे। 31 दिसंबर 2020 को शाम 07ः53 बजे गोयल ने ट्वीट किया, सिस्टम में इस समय में जबरदस्त दबाव देखने को मिल रहा है। अभी 1.4 लाख लाइव ऑर्डर्स आ चुके हैं। इसमें से लगभग 20 हजार बिरयानी और 16 हजार पिज्जा के ऑर्डर्स हैं। इनमें से करीब 40 फीसदी चीज पिज्जा हैं। गोयल ने यह भी बताया कि देश के बाहर रहने वाले लोगों ने भी भारत में रह रहे लोगों के लिए

फूड ऑर्डर किया। खासकरU UAE, लेबनान और तुर्की से लोगों ने भारत में रह रहे अपने करीबियों के लिए ऑर्डर किया है। गोयल ने बताया कि उनके इस प्लेटफॉर्म पर अब तक की सबसे ज्यादा ऑर्डर वेलॉसिटी देखने को मिली है। गुरुवार शाम को 06ः14 बजे 2,500 ऑर्डर्स प्रति मिनट मिल रहे थे। इसके बाद रात 08ः22 बजे सबसे ज्यादा 4,100 ऑर्डर्स प्रति मिनट आए। वहीं, एक जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे ट्वीट कर बताया कि उन्हें 4,254 ऑर्डर्स हर मिनट मिले।

एप्पल आईफोन 12 प्रो की मांग रहेगी काफी ज्यादा : जेपी मॉर्गन

नई दिल्ली।

इंडस्ट्री के कई विशेषज्ञों द्वारा आईफोन 12 पर अपनी बाजी लगाए जाने के बीच ही जेपी मॉर्गन ने यह कह दिया है कि आईफोन 12 प्रो की मांग अब भी काफी अधिक है। इससे पहले के रिपोटेंर्ं में उल्लेख किया गया था कि आईफोन 12 की लॉन्चिंग में देरी होने के चलते आईफोन की बिक्री में कुछ कमी आई है। हालांकि पिछले महीने काउंटरपॉइंट रिसर्च की ए?क रिपोर्ट में कहा गया था कि एप्पल द्वारा वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही (अक्टूबर से दिसम्बर की अवधि) में बिक्री के क्षेत्र में अपने पहले के रिकॉर्डस को तोड़ने की संभावना है क्योंकि आईफोन 12 की शिपमेंट में आईफोन के अन्य सभी मॉडलों के मुकाबले 21 फीसदी का इजाफा हुआ है। अब जेपी मॉर्गन के विश्लेषक समिक चटर्जी ने कहा है कि आईफोन 12 सीरीज के लिए यह एक अहम समय है क्योंकि एक ही हफ्ते के अंदर ग्राहकों के सामने अधिकतम मॉडल पेश कर

दिए जाएंगे। हालांकि उम्मीद यही है कि आईफोन 12 प्रो की मांग अभी और आगामी 20 दिनों तक काफी अधिक बनी रहेगी।

बिहार : लीची और उससे जुड़े उत्पादों को बढ़ावा देने की कवायद में जुटी सरकार

बिहार :

लीची और उससे जुड़े उत्पादों को बढ़ावा देने की कवायद में जुटी सरकारमुजफ्फरपुर, 1 जनवरी (आईएएनएस)। बिहार के मुजफ्फरपुर में लीची और उसके उत्पादों को बढ़ावा देने तथा उसके लिए बाजार उपलब्ध कराने को कवायद शुरू हो गई है। सरकार ने इसके लिए अब सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ किया है। मुजफ्फरपुर की लीची की गुणवत्ता बढ़ाने और इसके उत्पादों के विकास के लिए बेसलाइन सर्वे शुरू हो गया है। पटना स्थित विकास प्रबंधन संस्थान की टीम को सर्वे में लगाया गया है। सर्वे टीम जनवरी तक लीची से जुड़ी प्रोसेसिंग फैक्ट्री अनुसंधान केंद्र और बगीचों में जाकर सर्वे करेगी। टीम लीची के किसानों और व्यवसायियों से भी राय लेगी। मुजफ्फरपुर जिला उद्योग केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि टीम के सदस्य अलग-अलग इलाकों में जाकर लीची के किसानों से मिलकर उनके लीची के प्रकार और उसके पोटेंशियल के बारे में जानकारी जुटाएगें। यह टीम राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र जाकर वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों से मिलकर उनकी राय जानने की कोशिश की है। राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ विशालनाथ ने कहा, लीची उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हर स्तर पर पहल चल रही है। किसान भी आगे आ रहे हैं। अनुसंधान केंद्र की ओर से देश स्तर पर बगानों को बढ़ाने के लिए अभियान लगातार जारी है। लीची और इससे जुड़े उत्पादों के बाजार की भी जानकारी जुटाई जा रही है, जिससे किसानों को उनके उत्पादकों का बाजार उपलब्ध करवाया जा सके। अधिकारियों की मानें तो सर्वे रिपोर्ट के आधार पर जिला उद्योग केंद्र लीची और इसके उत्पादों के विकास के लिए कार्य प्रारंभ करेगा। उद्योग केंद्र की जिम्मेदारी उत्पादों के लिए बाजार विकसित करना भी होगा। उद्योग विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकार की सोच लीची और इससे जुडे उत्पादों को बढ़ावा देकर स्वरोजगार को बढ़ावा देना है तथा लीची किसानों को लाभान्वित किया जा सके।

दिसंबर में जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 1.15 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली।

दिसंबर 2020 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व 1.15 लाख करोड़ से अधिक रहा, जो अब तक सबसे अधिक है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि जीएसटी संग्रह दिसंबर में 1,15,174 करोड़ रुपये रहा है। कुल राजस्व में केंद्रीय जीएसटी का योगदान 21,365 करोड़ रुपये रहा। राज्य जीएसटी 27,804 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान एकीकृत जीएसटी 57,426 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्र 27,050 करोड़ रुपये सहित) रहा। वित्त मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान उपकर (सेस) 8,579 करोड़ रुपये रहा, जिसमें माल के आयात पर एकत्र 971 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। बयान में कहा गया है, दिसंबर 2020 के दौरान जीएसटी राजस्व जीएसटी की शुरूआत के बाद से सबसे अधिक रहा है और यह पहली बार है कि यह 1.15 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। अप्रैल 2019 के महीने में अब तक का उच्चतम जीएसटी संग्रह 1,13,866 करोड़ रुपये था। आधिकारिक बयान के अनुसार, दिसंबर 2020 का राजस्व पिछले महीने के 1,04,963 करोड़ रुपये के राजस्व से काफी अधिक है। यह पिछले 21 महीनों के बाद मासिक राजस्व में सबसे अधिक वृद्धि है। बयान में कहा गया है कि यह महामारी के बाद तेज आर्थिक सुधार और जीएसटी चोरी और फर्जी बिल के खिलाफ चलाए गए देशव्यापी अभियान और व्यवस्थागत बदलावों के चलते संभव हुआ। नवंबर से 31 दिसंबर तक कुल 87 लाख जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल किए गए। समीक्षाधीन महीने में आयातित वस्तुओं से राजस्व 27 प्रतिशत बढ़ा और घरेलू लेनदेन (आयात सेवाओं सहित) से राजस्व इससे पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले आठ प्रतिशत अधिक रहा। बयान में कहा गया है कि जीएसटी राजस्व में सुधार के हालिया रुझानों के अनुरूप राजस्व संग्रह ने लगातार तीसरे महीने एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार किया।

सिडनी टेस्ट के आयोजन पर छाए काले बादल, एससीजी के पास का एरिया अलर्ट पर : रिपोर्ट

सिडनी। (एजेंसी)

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट मैच पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं क्योंकि सिडनी में 31 दिसंबर को 10 नए कोविड-19 मामले सामने आए हैं। इससे दो सप्ताह में पॉजिटिव मामलों की संख्या 170 हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, तीसरा टेस्ट एससीजी पर बिना दर्शकों के खेले जाने की बात भी की जा रही है। ब्लू माउंटेन, इलावारा कोविड से काफी ज्यादा प्रभावित हैं। एससीजी से 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बेराला और स्मिथफील्ड अलर्ट पर हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, मास्क पहनना अनिवार्य करने की चर्चाएं हैं और सात तारीख से शुरू हो रहे मैच में दर्शकों को न बुलाने की बात भी की जा रही है। यह होता है कि नहीं यह देखना होगा। हमें दिन में बाद में न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर से पता चलेगा। लेकिन आंकड़े काफी अहम हैं, 2020 के आखिरी दिन में 10 मामले सामने आए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, बीते दो सप्ताह में मामले शून्य से 170 तक पहुंचे हैं और यह काफी बड़ी बात है। हम ब्लू माउंटेन और इलावारा की बात कर रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि इस सप्ताह पुष्टि कर दी थी कि तीसरा टेस्ट सिडनी में ही होगा। उसे हालांकि दर्शकों के आंकड़ों के बारे में अभी तक जानकारी नहीं दी है। सीए ने ब्रॉडकास्टिंग स्टाफ में भी कटौती करने का फैसला किया है।

टोक्यो ओलंपिक को लेकर रोमांचित हैं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीट डुप्लांटिस

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पिछले कुछ अर्से में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पुरूष एथलीट का पुरस्कार जीतने वाले पोल वॉल्टर अर्मांड मोंडो डुप्लांटिस ने स्वीकार किया कि कोरोना महामारी के बीच तोक्यो ओलंपिक में अपेक्षाओं के दबाव पर खरा उतरना आसान नहीं होगा लेकिन उन्हें अपने पहले ओलंपिक का बेताबी से इंतजार है। स्वीडन के 21 वर्षीय डुप्लांटिस को वर्ष 2020 का सर्वश्रेष्ठ पुरूष एथलीट चुना गया। उन्होंने 2019 में दोहा विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता और पिछले साल फरवरी में पोलैंड में 6 . 17 मीटर का विश्व रिकार्ड बनाया। इसके बाद सितंबर में खेल की बहाली पर 6 . 15 मीटर के साथ रोम डायमंड लीग में रजत पदक जीता। सर्जेइ बुबका का रिकार्ड तोड़ने वाले इस पोल वॉल्टर ने 'वियोन' चैनल से खास बातचीत में कहा ,'' मैंने पहले कभी ओलंपिक नहीं खेला है लेकिन मुझे पता है कि दुनिया भर के एथलीटों से मिलना कितना खास होता होगा। इस बार कोरोना महामारी के कारण हालात अलग होंगे लेकिन इसकी आदत डालनी होगी।

उम्मीद है कि भले ही प्रतिबंधों के साथ हों, लेकिन ओलंपिक हों।'' बुबका का आउटडोर रिकार्ड तोड़ने के अनुभव पर उन्होंने कहा ,'' सर्जेइ बुबका दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पोल वॉल्टर हैं। मैं उनसे बेहतर बनना चाहता हूं। उनसे अधिक उपलब्धियां अर्जित करना चाहता हूं जो पहले किसी ने देखी नहीं हो लेकिन अभी मैंने सिर्फ शुरूआत की है।'' उन्होंने स्वीकार किया कि ओलंपिक में उन पर अपेक्षाओं का काफी दबाव होगा लेकिन उन्हें खुद से भी काफी अपेक्षायें हैं। डुप्लांटिस ने कहा ,'' मैं बचपन से यह मानकर चला हूं कि मेरे भीतर विश्व रिकार्ड बनाने की क्षमता है। मुझे विश्वास है कि मैं ओलंपिक स्वर्ण जीत सकता हूं। मैं अपेक्षाओं के बोझ से विचलित नहीं होता लेकिन इस बार अच्छे प्रदर्शन का दबाव पहले से कहीं अधिक है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम को डेविड वॉर्नर की वापसी का इंतजार, लाबुशेन ने कहा- टीम का बढ़ेगा मनोबल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को सिडनी में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में डेविड वॉर्नर की वापसी का इंतजार है और उनका मानना है कि मेजबान को उनकी बल्लेबाजी से ही नहीं बल्कि मैदान पर 'असीम ऊर्जा' से भी फायदा मिलेगा।

ग्रोइन की चोट के कारण वॉर्नर पहले दो टेस्ट से बाहर रहे और अब आखिरी दो टेस्ट के लिये उन्हें टीम में शामिल किया गया है। श्रृंखला फिलहाल 1 . 1 से बराबर है। तीसरा टेस्ट सात जनवरी से शुरू होगा। लाबुशेन ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' वह टीम में लौटते हैं तो हमारे लिये बहुत बड़ी बात होगी। उनके नाम 7000 से अधिक टेस्ट रन है और उनका औसत 50 से अधिक है।वह जबर्दस्त खिलाड़ी हैं।'' उन्होंने कहा ,'' बतौर बल्लेबाज ही नहीं बल्कि मैदान पर वह जिस तरह से ऊर्जा का संचार करते हैं, वह काबिले तारीफ है।'' वॉर्नर की गैर मौजूदगी आस्ट्रेलियाई टीम को बुरी तरह खली है। इस श्रृंखला में अभी तक मैथ्यू वेड , लाबुशेन और कप्तान टिम पेन ही 23 से ऊपर की औसत से रन बना सके हैं।

केन विलियमसन बोले- स्मिथ और कोहली सर्वश्रेष्ठ, उनसे आगे निकलकर हैरान हूं

माउंट मोनगानुई। (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के करिश्माई कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और भारतीय कप्तान विराट कोहली से आगे निकलकर शीर्ष पर पहुंचने से हैरान हैं। विलियमसन (890) को पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की 101 रन की जीत के दौरान 129 और 21 रन बनाये जिससे उन्हें 13 रेटिंग अंक मिले जिससे वह साल के आखिर में बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने में सफल रहे।

उन्होंने स्मिथ की जगह ली जो भारत के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में शून्य और आठ रन बनाने के कारण तीसरे स्थान पर खिसक गये। कोहली (879) दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। आईसीसी के ट्विटर हैंडल पर जारी वीडियो में विलियमसन ने कहा, ''ये दोनों खिलाड़ी (विराट कोहली और स्टीव स्मिथ) मुझसे

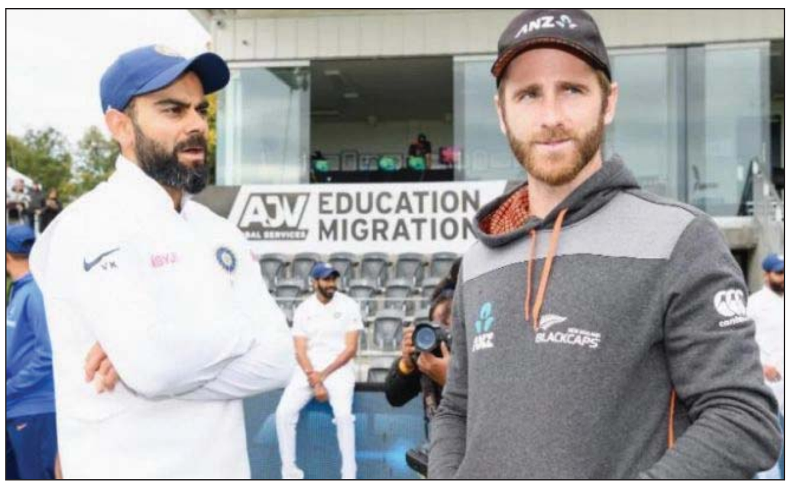

श्रेष्ठ हैं। उन जैसे खिलाड़ियों से आगे निकलना हैरानी भरा और सुखद है। '' उन्होंने कहा, ''ये दो खिलाड़ी हैं जिन्होंने वर्षों से सभी प्रारूपों में खेल को आगे बढ़ाया है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं जो उनके खिलाफ खेला हूं।

नटराजन, शार्दुल ठाकुर टीम इंडिया में शामिल, किसे मिलेगा सिडनी टेस्ट में खेलने का मौका...

मेलबोर्न। (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने चोटिल तेज गेंदबाजों उमेश यादव और मोहम्मद शमी की जगह क्रमशः बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन और शार्दुल ठाकुर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में सात जनवरी से होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट के लिए टीम इंडिया में शामिल किया है। शमी एडिलेड में हुए पहले दिन-रात्रि टेस्ट में पैट कमिंस की बाउंसर पर अपना बाजू चोटिल करा बैठे थे जबकि उमेश मेलबोर्न में दूसरे बॉक्सिंग डे टेस्ट में दूसरी पारी में अपना चौथा ओवर डालने के दौरान अपनी पिंडली चोटिल कर बैठे थे।

शमी पहले टेस्ट के बाद और उमेश दूसरे टेस्ट के बाद सीरीज से बाहर हो गए और अब दोनों तेज गेंदबाज स्वदेश लौट कर बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहेबिलिटेशन से गुजरेंगे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए चार टेस्ट मैचों की यह सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है और सीरीज का तीसरा टेस्ट सिडनी में 7 जनवरी से खेला जाना है।

नटराजन और ठाकुर दोनों ही तेज गेंदबाज इस दौरे में भारतीय टीम के साथ नेट गेंदबाज के

रुप में शामिल थे। नटराजन ने अभी तक भारत के लिए कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है जबकि ठाकुर भारत के लिए एक टेस्ट मैच खेल चुके हैं। टेस्ट टीम में नवदीप सैनी के रुप में एक अन्य तेज गेंदबाज मौजूद हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम प्रबंधन सिडनी टेस्ट में जसप्रीत बुमराह के साथी तेज गेंदबाजों के रुप में सैनी, नटराजन और ठाकुर में से किन दो तेज गेंदबाजों को मौका देता है।

दूसरे टेस्ट में शमी की जगह तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने टेस्ट पदार्पण किया था और पांच विकेट लेकर अपने चयन को सही साबित किया था। भारत ने मेलबोर्न टेस्ट आठ विकेट से जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। भारत के पास टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज के रूप में सिर्फ जसप्रीत बुमराह हैं। टेस्ट टीम में नवदीप सैनी एक अन्य तेज गेंदबाज हैं लेकिन अब शार्दुल और नटराजन भी टीम से जुड़ गए हैं। सैनी लगभग एक साल के समय से टीम के साथ जुड़े हुए हैं और पिछले दो वर्षों में सिराज के साथ भारत ए की तरफ से सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं।

ठाकुर भारत की तरफ से एक टेस्ट खेल चुके हैं और यह टेस्ट उन्होंने 2018 में हैदराबाद में वेस्ट इंडीज के खिलाफ खेला था। ठाकुर खुद उस मैच में चोटिल हो गए थे और उसके बाद से वह टेस्ट में नहीं खेले। नटराजन को चोटिल वरुण चक्रवर्ती की जगह इस दौरे के लिए टी-20 टीम में शामिल किया गया था और वह ऑस्ट्रेलिया में नेट गेंदबाज के रूप में टीम के साथ थे। वह प्रथम श्रेणी में तमिलनाडु के लिए 20 मैचों में 64 विकेट ले चुके हैं। यदि वह सिडनी में एकादश में जगह बनाते हैं तो वह भारत के 299वें टेस्ट खिलाड़ी बनेंगे और 2014 में जहीर खान के वेलिंगटन में खेलने के बाद से भारतीय टेस्ट टीम में खेलने वाले पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बनेंगे।

कनकशन इस कंगारू बल्लेबाज के लिए है शगुन, रिकॉर्ड हैं गवाह

मेलबर्न। विल पुकोवस्की के कनकशन (सिर में हल्की चोट लगना) के कारण विश्राम लेने के बाद शानदार वापसी के पुराने रिकार्ड को देखते हुए आस्ट्रेलिया के सहायक कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को विश्वास है कि अगर इस युवा सलामी बल्लेबाज को अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है तो उन्हें रन बनाने में दिक्कत नहीं होगी। पुकोवस्की का एडीलेड में पहले टेस्ट मैच में खेलना तय था लेकिन पहले अभ्यास मैच में सिर में चोट लगने के कारण वह पहले दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गये थे। यह 22 वर्षीय पुकोवस्की के साथ नौवां मामला है जबकि वह कनकशन के शिकार बने। ये सभी मामले हालांकि क्रिकेट से जुड़े हुए नहीं हैं। पुकोवस्की को अब श्रृंखला के बाकी बचे दो मैचों के लिये आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। मैकडोनाल्ड ने आस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस (एएपी) से कहा, ''हम विल के पिछले रिकार्ड के बारे में जानते हैं। उसका वापसी करने पर शानदार प्रदर्शन करने का बहुत अच्छा रिकार्ड है। '' पुकोवस्की ने 2018 में दो बार कनकशन के कारण बाहर रहने के बाद वापसी करके प्रथम श्रेणी मैचों में अपना पहला शतक लगाया था। इस युवा बल्लेबाज ने कनकशन के कारण पिछले दो अवसरों पर लंबे विश्राम के बाद वापसी करके दोहरे शतक लगाये थे। पुकोवस्की गुरुवार की रात को आस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ गये और वह टीम के साथ सिडनी रवाना होने से पहले मेलबर्न में दो अभ्यास सत्र में भाग लेंगे। तीसरा टेस्ट मैच सात जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।

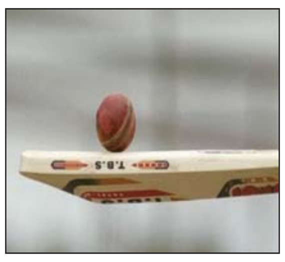

पीसीबी का ऐलान, पाकिस्तान की टीम 2021 में 10 द्विपक्षीय खेलेगी श्रृंखला

कराची। (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख एहसान मनि ने कहा कि उनकी टीम 2021 में टी20 विश्व कप के अलावा 10 द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में भाग लेगी। मनि ने यहां एक पोडकास्ट में कहा कि पाकिस्तान की टीम नये साल में 10 द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेगी।

टीम इस दौरान नौ टेस्ट, 20 एकदिवसीय और 39 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इससे खिलाड़ियों के लिये क्रिकेट की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा, '' टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान का दौरा करेगी। इसके बाद इंग्लैंड की टीम यहां आयेगी और दोनों टीमें भारत के लिए रवाना होंगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बाबर आजम की खेलने की संभावना, नेट पर किया प्रेक्टिस

कराची। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने शुक्रवार को यहां क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में नेट पर लंबे समय तक अभ्यास किया जिससे उनके न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में खेलने की संभावना बढ़ गयी है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के प्रवक्ता ने क्राइस्टचर्च से बताया कि बाबर ने रविवार से शुरू होने वाले टेस्ट मैच से पूर्व साथी खिलाड़ियों के साथ अभ्यास किया। प्रवक्ता ने कहा, ''हां, उसने आज नेट्स पर अभ्यास किया। उनके दूसरे टेस्ट मैच में खेलने का फैसला दौरे की चयनसमिति चिकित्सा पैनल की सलाह पर करेगी। '' बाबर पिछले महीने क्वीन्सटाउन में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गये थे और उन्होंने दौरे में अब तक कोई मैच नहीं खेला है। पाकिस्तान दो मैचों की श्रृंखला में अभी 0-1 से पीछे चल रहा है। उसके दो अन्य खिलाड़ी सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक और आलराउंडर शादाब खान भी चोटिल होने के कारण श्रृंखला से बाहर हो चुके हैं।

सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के साथ भुवनेश्वर कुमार करेंगे मैदान पर वापसी, उत्तर प्रदेश की टीम में सुरेश रैना को भी मिली जगह

नई दिल्ली। (एजेंसी)

10 जनवरी से भारत में सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट खेला जाना है और इसके साथ ही भारत में मार्च 2020 से कोविड-19 महामारी के चलते डोमेस्टिक क्रिकेट पर जो ब्रेक लगा था, वह भी खत्म हो जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए उत्तर प्रदेश ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टीम में भारत के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का नाम भी शामिल है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए भुवी चोटिल हो गए थे। चोट के बाद वह इस टूर्नामेंट के साथ क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा यूपी की टीम में सुरेश रैना का भी नाम शामिल है। रैना भी लंबे समय बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने जाएंगे।

रैना ने 15 अगस्त 2020 को महेंद्र सिंह धोनी के इंटरनैशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के कुछ देर बाद ही खुद भी इंटरनैशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में खेलने के लिए दुबई भी पहुंचे, लेकिन निजी कारणों से टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही स्वदेश लौट आए। रैना लंबे समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं। यूपी का पहला मैच 10 जनवरी को पंजाब के साथ बेंगलुरु में होगा। आईपीएल में चोटिल होने के चक्कर में ही भुवी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भी टीम में नहीं चुने गए।

सैय्यद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट की मौजूदा चैंपियन विदर्भ है। जिसकी अगुवाई बांए हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट कर रहे हैं। भारतीय टीम से बाहर चल रहे खिलाड़ियों के पास यह अच्छा मौका है कि वो यहां बेहतर प्रदर्शन करके इंग्लैंड का खिलाफ होने वाली सीरीज में अपनी दावेदारी पेश कर सकें।

1.5 महीने में कश्मीर से कन्याकुमारी तक पहुंचे 30 पैरा साइक्लिस्ट

कन्याकुमारी। लगभग डेढ़ महीने पहले जब घर से निकलना एक बड़ी चुनौती था, तब भारत के पहले इंटरनेशनल मेडल विजेता पैरा साइक्लिस्ट आदित्य मेहता ने देश की पैरा साइक्लिंग टीम के सदस्यों के साथ कश्मीर से कन्याकुमारी तक का चैरिटी मिशन शुरू किया था। मेहता इस मिशन के माध्यम से चैरिटी के लिए पैसे जमा करने के साथ-साथ भारत भर में पैरा स्पोटर्स को लेकर जागरुकता फैलाना चाहते थे।

इस अभियान को इनफैनिटी राइड के2के 2020 का नाम दिया गया था। आदित्य मेहता फाउंडेशन (एएमएफ) के ब्रेन चाइल्ड इस मिशन के तहत 45 दिनों तक कड़ाके की सर्दी को हराते हुए अलग-अलग टैरेन और चुनौतीपूर्ण माहौल में साइकिल चलाना था। सबसे अहम बात यह है कि 30 साइकिल चालकों का यह सफर 3842 किलोमीटर लम्बा था। इन सबने कश्मीर से शुरुआत करके देश के सबसे दक्षिणी छोर कन्याकुमारी पहुंचकर अपने उद्देश्य को प्राप्त कर लिया।

आदित्य मेहता फाउंडेशन के संस्थापक आदित्य मेहता ने कहा, 'मैंने इसी तरह के टैरेन में 2013 में भी साइकिल चलाई है। उस समय मुझे शारीरिक और मानसिक तौर पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा था लेकिन लोगों से उस समय मुझे प्यार मिला था, उसने मुझे आदित्य मेहता फाउंडेशन की स्थापना के लिए प्रेरित किया और अब इतने वर्षों के बाद हमारी पहल के तहत हमारी 30 सदस्यीय राइडिंग टीम कोरोना महामारी की चुनौतियों के बीच एक शानदार सफर को अंजाम तक पहुंचाने में सफल रही।'

उन्होंने कहा, 'मैं सीमा सुरक्षा बल सहित सभी पार्टनर्स का आभारी हूं क्योंकि इन्हीं की बदौलत यह सफर सम्भव हो सका। हमें आशा है हमारा यह जागरुकता अभियान लोगों को प्रेरित करेगा और वे आगे आकर इस मिशन से जुड़ेंगे, जिसका लक्ष्य देश में नए और श्रेष्ठ पैरा टैलेंट की खोज करना है। हमें इस बात की खुशी है कि लोगों ने हमारी इस लम्बी यात्रा के दौरान बिना शर्त प्यार और समर्थन दिया। मेरा लक्ष्य ऐसे चैम्पियंस को निखारना है, जो भारत के लिए खेलते हुए हीरो बनकर उभरें।'

शोएब अख्तर ने भारत के इस गेंदबाज को बताया क्रिकेट का ' चतुर तेज गेंदबाज'

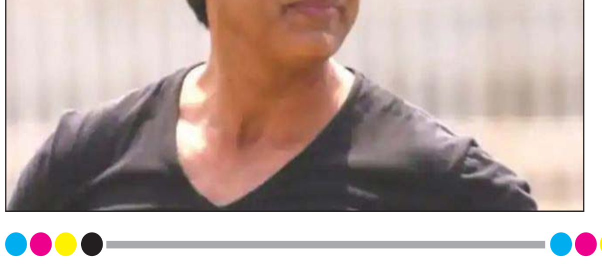

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने जसप्रीत बुमराह को मौजूदा क्रिकेट का ' चतुर तेज गेंदबाज' करार देते हुए कहा कि उन्होंने विरोधी बल्लेबाजों को उसी तरह छकाने की कला सीख ली है जिस तरह से कभी उनके देश के गेंदबाज किया करते थे। इस खेल को खेलने वाले सबसे तेज गेंदबाजों में से एक अख्तर बुमराह के कौशल से प्रभावित है। अख्तर ने यू-ट्यूब चैनल 'स्पोर्ट्स टुडे' से कहा, '' वह शायद भारत के पहले गेंदबाज है जो पिच पर घास देखने से पहले यह पता करते हैं कि हवा किस और किस गति से बह रही है। यह कला पहले पाकिस्तान के गेंदबाजों के पास थी। हम जानते थे कि हम हवा का कैसे इस्तेमाल कर सकते है।'' उन्होंने अपना, वसीम अकरम और वकार युनुस का उदाहरण देते हुए समझाया कि कैसे वे गेंदबाजी के समय हवा का इस्तेमाल करते थे।

उन्होंने कहा, '' मैं, वसीम भाई और वकार भाई हवा की गति और दिशा देखकर तय करते थे कि किस छोर से गेंदबाजी करने पर हमें रिवर्स स्विंग मिलेगी।'' अख्तर ने कहा, ''हम तेज गेंदबाजी के 'मैकेनिक और एयरो डायनामिक्स' को जानते थे, हमें पता होता था कि दिन के किस समय कितनी स्विंग मिलेगी। मैं मानता हूं कि बुमराह इस तरह की चीजों को जानते हैं।'' अख्तर ने कहा कि मोहम्मद आसिफ और मोहम्मद आमिर के बाद चतुराई के मामले में बुमराह ' सबसे काबिल गेंदबाज' है। बुमराह महज पांच सेकेंड के अंदर बल्लेबाजों को डरा देते हैं। उन्होंने कहा, ''विकेट लेने की क्षमता के कारण बुमराह सिर्फ पांच सेकेंड (रनअप) में बल्लेबाजों को डरा देते हैं।

काजोल की फिल्म 'त्रिभंगा' 15 जनवरी में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज

अभिनेत्री काजोल का पहला डिजिटल प्रोजेक्ट 'त्रिभंगा' 15 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रहा है। यह कुछ पीढ़ियों की कहानी है और इसका निर्देशन अभिनेत्री रेणुका शहाणे ने किया है। इसके निर्माण में काजोल के पति और अभिनेता -निर्माता अजय देवगन ने सहयोग किया है और इसे बन्निजाय आसिया और सिद्धार्थ पी पी मल्होत्रा के आल्चेमी फिल्म्स के साथ मिलकर बनाया गया है। काजोल ने ट्विटर पर लिखा, '' त्रिभंगा मतलब टेढ़ी- मेढ़ी, जुनूनी, लेकिन सेक्सी है। त्रिभंगा 15 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित होगी।''

त्रिभंगा शीर्षक ओडिसी नृत्य की एक भाव-भंगिमा है। यह एक ही परिवार की तीन महिलाओं की कहानी है जो अलग-अलग पीढ़ियों की हैं।उसमें 1980 के दशक से कहानी शुरू होती है और वर्तमान समय तक आती है। इस फिल्म में मिथिला पाल्कर, तन्वी आजमी और कुनाल राय कपूर जैसे स्टार भी हैं।

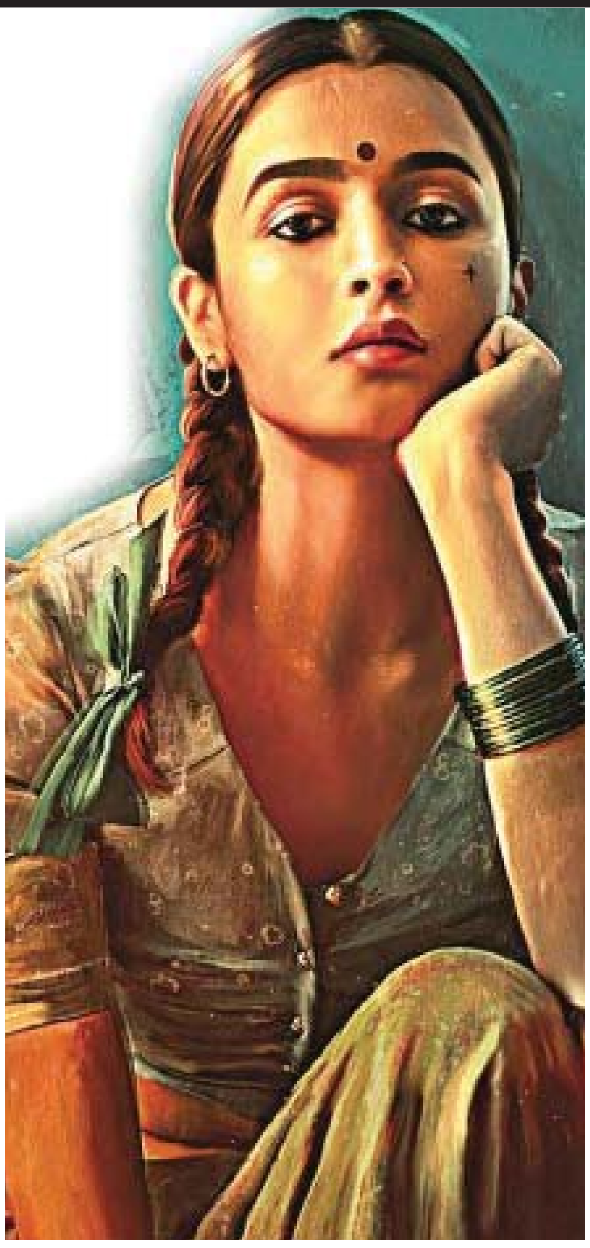

आलिया भट्ट की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' 2021 में सिनेमा घरों में होगी रिलीज

अभिनेत्री आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' इस साल सिनेमा घरों में रिलीज होगी। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी यह फिल्म मशहूर लेखक हुसैन जैदी की पुस्तक 'माफिया क्वींस ऑफ मुम्बई' के एक अध्याय पर आधारित है। भंसाली की निर्माण कम्पनी ने 'इंस्टाग्राम' पर आठ सेकेंड का एक वीडियो साझा करते हुए फिल्म के इस साल रिलीज होने की जानकारी दी।

निर्माण कम्पनी ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, '' बहादुर, बिंदास और अपनी आंखों में शोले लिए 'गंगूबाई काठियावाड़ी'2021 पर राज करने को तैयार है...।'' फिल्म निर्माण से जुड़े सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग उपनगरीय मुंबई स्थित फिल्मसिटी में पिछले साल अक्टूबर में दोबारा शुरू की गई थी और अब यह लगभग पूरी होने को है। फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' पहले 11 सितम्बर 2020 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण लागू लॉकडाउन की वजह से इसमें देर हुई।

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' में नजर आएंगे रणबीर कपूर

अभिनेता रणबीर कपूर संदीप रेड्डी वांगा की अगली फिल्म 'एनिमल' में नजर आएंगे। इस फिल्म के निर्माताओं ने इसकी घोषणा की है। फिल्म निर्माताओं- भूषण कुमार की टी-सीरिज और मुराद खेतानी तथा वांगा ने मध्यरात्रि में फिल्म का ऑडियो टीजर जारी किया और 'एनिमल' की कहानी की झलक दी। इस एक मिनट के वीडियो में रणबीर कपूर की आवाज सुनाई देती है और सीटी की आवाज के साथ रणबीर कपूर (किरदार) को अपने पिता से अगले जन्म और प्रेम के बारे में बाते करते सुना जा सकता है। वहीं वीडियो क्लिप गोलियों की आवाज के साथ खत्म होती है।

ट्विटर पर इस टीजर को टी-सीरिज ने साझा किया था। इस फिल्म में अनिल कपूर, बॉबी देओल और परिणीति चोपड़ा भी हैं। अनिल कपूर ने भी इस टीजर को ट्विटर पर साझा करते हुए कहा कि वह इसमें काम करने के लिए आशान्वित हैं। वहीं चोपड़ा ने टीजर को साझा करते हुए कहा कि 2021 उनका दिल जीत चुका है। 'कबीर सिंह' और 'अर्जुन रेड्डी' फिल्म के लिए मशहूर वांगा ने लिखा, '' भावनाओं को महसूस कीजिए'।

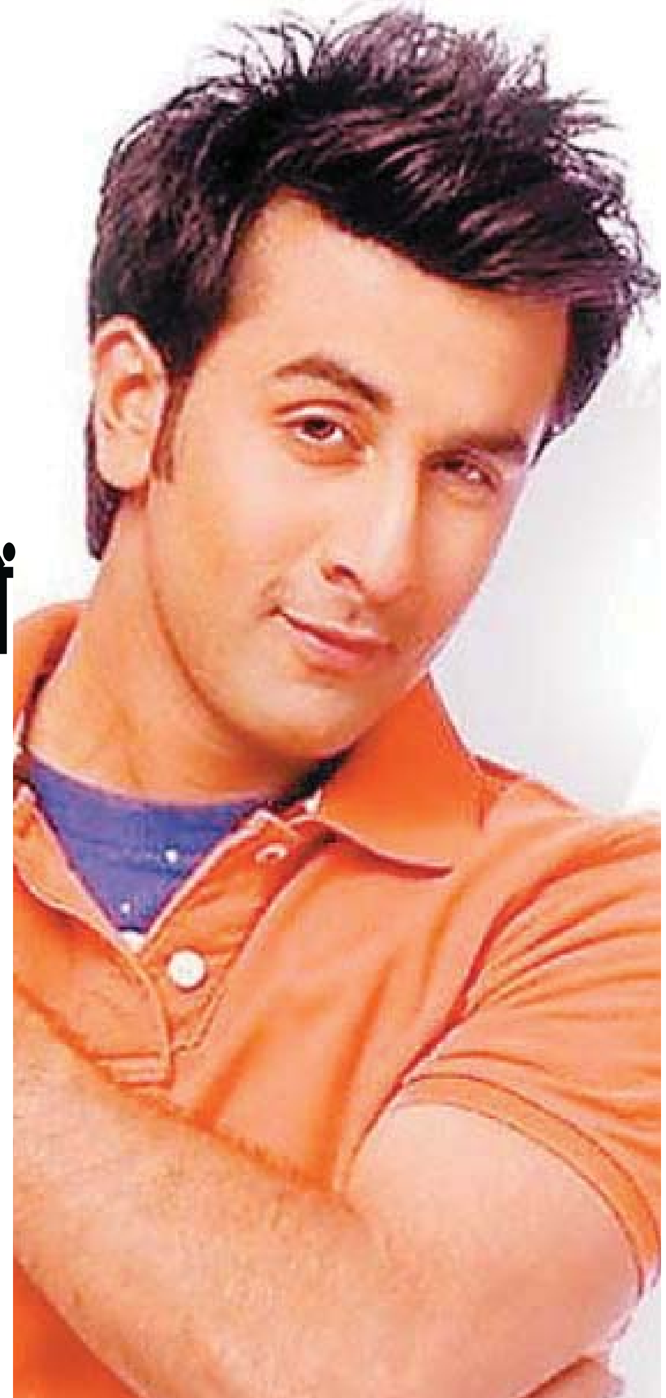

क्या मिल गया है अनन्या पांडे को उनका प्यार?

ईशान खट्टर मना रही है मालदीव में न्यू ईयर वेकेशन

करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अपने करियर की शुरूआत करने वाली अनन्या पांडे ने बहुत कम समय में बॉलीवुड में एक अच्छी जगह बना ली है। पिता चंकी पांडे की पहचान और नाम के बल पर अनन्या को एक के बाद एक कई फिल्में मिलती गयी। स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 फ्लॉप साबित हुई लेकिन फिल्म पति पत्नी और वो में अनन्या के काम को पसंद किया गया। अनन्या जल्द ही अपकों नये प्रोजेक्ट में भी नजर आने वाली हैं। फिलहाल वो नये साल का जश्न बनाने के लिए मालदीव में हैं वो भी अपने दोस्त के साथ।

अनन्या पांडे धड़क एक्टर ईशान खट्टर के साथ मालदीव में वेकेशन पर गयी हैं। दोनों काफी अच्छे दोस्त हैं। 30 दिसंबर को दोनों को मुंबई के एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था। अब अनन्या सोशल मीडिया पर अपने वेकेशन की तस्वीरें शेयर कर रही हैं। तस्वीरों में वह काफी खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने नीले समुद्र में बिकनी शूट भी करवाया है। खबरों के अनुसार अनन्या की ये खूबसूरत फोटो क्लिक करने वाला कोई और नहीं बल्कि ईशान खट्टर ही है।

हाल ही में ईशान खट्टर और अनन्या पांडे को फिल्म खाली-पीली में साथ देखा गया था। फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री भी दर्शकों को अच्छी लगी थी। फिल्म को आप जी5 पर देख सकते हैं। अनन्या पांडे और ईशान दोनों ही स्टारकिड्स हैं ऐसे में दोनों को नेपोजिस्म विवाद के दौरान काफी ट्रोल भी किया गया था। इसी वजह से उनकी फिल्म खाली-पीली पर भी काफी असर पड़ा था।

पर्दे पर अंडरकवर एजेंट का किरदार निभाएंगी परिणीति चोपड़ा

बॉलीवुड एट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में आ गई हैं। परिणीति चोपड़ा निर्देशक रिभु दासगुप्ता की फिल्म में अंडरकवर एजेंट का किरदार निभाएंगी। यह एक एशन थ्रिलर होगी। फिलहाल इस फिल्म का कोई टाइटल तय नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि परिणीति इसमें एक रेस्यू मिशन पर दिखाई देंगी। परिणीति फिल्म में किस मिशन पर होंगी इस बात का अभी खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन यह साफतौर पर कहा जा रहा है कि इस बार फिल्म में भारत और पाकिस्तान का मिशन नहीं पेश किया जाएगा। फिल्म में परिणीति के किरदार की निजी जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो अपने साथ हुए एक हादसे का बदला लेगा। गौरतलब है कि यह दूसरा मौका है जब परिणीति और रिभु दासगुप्ता किसी फिल्म में साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले ये दोनों फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' के लिए भी हाथ मिला चुके हैं। परिणीति की इस अनटाइटल फिल्म में रजित कपूर, केके मेनन, दियेंदू भट्टाचार्य और पंजाबी सिंगर और अभिनेता हार्डी संधू भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग मार्च, 2021 में शुरू करने की योजना बनाई गई है। मेकर्स फिलहाल शूटिंग के लिए लोकेशन्स की तलाश में जुटे हुए हैं। परिणीति चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 2016 में इसी नाम से बनी हॉलीवुड फिल्म और पौला हॉकिंस की नॉवेल पर आधारित है। इसके अलावा उन्हें अर्जुन कर के साथ 'संदीप और पिंकी फरार' में भी देखा जाने वाला है।

तैमूर की तरह अपने बच्चे को इंटरनेट सेंसेशन नहीं बनाएंगी अनुष्का शर्मा, आने वाले बेबी के लिए खास प्लानिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अपनी प्रेग्नेंसी को इस समय एंजोय कर रही हैं। अनुष्का शर्मा की डिलीवरी का समय जनवरी 2021 हैं। अपनी डिलीवरी ने पहले उन्होंने एक मशहूर मैगजीन के लिए बेबी बंप के साथ फोटोशूट करवाया है। अनुष्का शर्मा ने फोटोशूट की काफी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है। मैगजीन के साथ बात करते हुए अनुष्का शर्मा ने अपने आने वाले बच्चे के बारे में खास बात भी की हैं।

अनुष्का शर्मा ने बताया है कि उन्होंने अपने बच्चे के लिए कुछ खास प्लानिंग की हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने बच्चे को उसका बचपन जीने देना चाहती हैं। अनुष्का शर्मा ने विराट कोहली के साथ मिलकर ये फैसला किया है कि वह बचपन से ही मीडिया पर्सनेल्टी न बनें। हम जानते हैं कि फैंस भी हमारे बच्चे को देखने के लिए एक्साइटिड है लेकिन हमने ये डिसाइड किया है कि आने वाला बच्चा पब्लिक आइज के साथ बड़ा नहीं हो।

आपको बता दें कि करीना कपूर खान और सैफ अली खान के बेटे तैमूर, और शाहिद कपूर की बेटी मीशा के अभी से ही सोशल मीडिया पर काफी फैंस है। यह स्टार किड्स सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। लोग इनकी एक झलक पाने के लिए तरसते हैं। तैमूर सहित कई ऐसे स्टारकिड्स हैं जिनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते ही वायरल हो जाती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इस देश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामले, बंद किए गए स्कूल और पार्क

बैंकॉक। थाइलैंड की राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के कारण स्कूल और पार्क सहित अनेक स्थानों को बंद कर दिया गया है। देश में शुक्रवार को संक्रमण के 279 नए मामले सामने आए और दो लोगों की मौत हो गई।बैंकॉक सहित सात प्रांतों को रेड जोन घोषित किया गया है जहां मुक्केबाजी के स्थानों, मनोरंजन के स्थानों, जिम और स्थानीय बाजारों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। रेस्तरां से खाने का सामान पैक करा कर ले जाने को मंजूरी दी गई है। ये पाबंदियां जनवरी के मध्य तक लागू रहेंगी। संक्रमण के नए मामले यहां के दक्षिण में स्थित समट सखोन में देश के सबसे बड़े सीफूड के थोक बाजार और रायोंग में एक जुआघर से सामने आए हैं।यहां पिछले 24 घंटे में संक्रमण के180 नए मामले सामने आए। कोविड-19 केन्द्र के प्रवक्ता डॉ तवीसिल्प ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने संक्रमण से बचाव के लिए दो करोड़ 60लाख टीकों की नई खेप के लिए ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रेजेनेका से संपर्क किया है।

1984 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया ने अपने राष्ट्रगान में बदला एक शब्द

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान में 1984 के बाद से पहली बार एक शब्द बदला गया है और प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के अनुसार 'एकता की भावना' दर्शाने के लिए ऐसा किया गया है। प्रधानमंत्री ने नववर्ष की पूर्वसंध्या पर घोषणा की कि राष्ट्रगान की दूसरी पंक्ति को 'फॉर वी आर यंग एंड फ्री' (हम युवा और स्वतंत्र हैं) से बदलकर 'फॉर वी आर वन एंड फ्री' (हम एक हैं और स्वतंत्र हैं) कर दिया गया है। गवर्नर-जनरल डेविड हर्ले ने राष्ट्रगान में संशोधन की राष्ट्रमंडल की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है।
प्रधानमंत्री मॉरिसन ने एक बयान में कहा कि सभी ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए बदलाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''पिछले साल हमने एक बार फिर ऑस्ट्रेलियाई लोगों की ऐसी भावना और सामूहिक प्रयासों को देखा जिन्होंने हमेशा हमें एक राष्ट्र के रूप में सक्षम बनाया है।'' उन्होंने कहा, ''अब यह सुनिश्चित करने का समय है कि यह महान एकता हमारे राष्ट्रगान में भी पूरी तरह झलके।

नए साल पर ताइवान की राष्ट्रपति ने संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए देशवासियों को किया शुक्रिया

ताइपे। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने और अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने के लिए देशवासियों की सराहना की। नववर्ष पर अपने वार्षिक संबोधन में राष्ट्रपति साई ने कहा कि ताइवान ने ''पेशेवर तरीका अपनाकर, एक दूसरे में भरोसा जताकर और एकीकृत समाज'' के रूप में असरदार तरीके से वायरस पर जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि वायरस पर यह जीत देश में बिना कोई लॉकडाउन लगाए या कारोबार और शिक्षा पर कोई गंभीर प्रभाव डाले ही हासिल की गई है। कोरोना वायरस के प्रसार पर रोकथाम के प्रयासों के लिए ताइवान की प्रशंसा होती रही है। चीन जहां महामारी की शुरुआत हुई, उससे सटे होने के बावजूद ताइवान में संक्रमण से सिर्फ सात लोगों की मौत हुई और 800 से अधिक लोग संक्रमित हुए। राष्ट्रपति ने कहा, ''ताइवान नई -नई औद्योगिक परियोजनाएं शुरू कर रोजगार पैदा कर रहा है और किसानों के लिए पेंशन देकर, आवास का निर्माण कर तथा नए स्कूल खोलकर अपने लोगों में निवेश कर रहा है।

मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकता है कोरोना, सोचने, सीखने की क्षमता के साथ याददाश्त को भी कर सकता है प्रभावित

वाशिंगटन। कोरोना वायरस (कोविड-19) के चलते पीड़ितों में स्वास्थ्य संबंधी कई गंभीर समस्याएं भी खड़ी हो रही हैं। अब एक नए अध्ययन में पाया गया है कि यह घातक वायरस मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंचा सकता है। कोविड-19 के चलते पीड़ितों के मस्तिष्क में रक्त वाहिनियों को क्षति पहुंचने के साथ ही इंफ्लेमेशन (सूजन) की समस्या भी खड़ी हो सकती है। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआइएच) के शोधकर्ताओं ने इस बात पर गौर किया गया कि किसी पीड़ित व्यक्ति के मस्तिष्क पर कोरोना किस तरह असर डालता है। उन्होंने कोरोना से दम तोड़ने वाले रोगियों के ब्रेन टिश्यू नमूनों पर अध्ययन किया। हालांकि टिश्यू नमूनों से इसका कोई संकेत नहीं मिला कि कोरोना वायरस के सीधे हमले के चलते मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा। अध्ययन के नतीजों को न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित किया गया है। एनआइएच के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसार्डर एंड स्ट्रोक के क्लीनिकल डायरेक्टर अविंद्र नाथ ने कहा, 'हमने पाया कि कोरोना की चपेट में आए पीड़ितों के मस्तिष्क में रक्त वाहिनियों को नुकसान पहुंच सकता है। हमारे नतीजों से जाहिर होता है कि वायरस के प्रति शरीर के इंफ्लेमेटोरी रिस्पांस के चलते ऐसा हो सकता है। हमें उम्मीद है कि हमारे नतीजों से डॉक्टरों को इस समस्या को समझने में मदद मिल सकती है।' इससे पहले एक अध्ययन में दावा गया था कि यह वायरस मस्तिष्क में भी दाखिल हो सकता है। इसके चलते सोचने, सीखने और याददाश्त संबंधी क्षमताएं प्रभावित हो सकती हैं। पूर्व के अध्ययनों से यह बात सामने आ चुकी है कि कोरोना के चलते पीड़ितों में ब्लड क्लाटिंग यानी रक्त का थक्का बनने की समस्या खड़ी हो सकती है। इससे स्ट्रोक का जोखिम बढ़ सकता है।

अमेरिका में पिछले 48 घंटों में कोरोना से करीब 7500 लोगों की मौत, अब तक करीब 2 करोड़ संक्रमित

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित अमेरिका में पिछले 48 घंटे के दौरान इस बीमारी के प्रकोप से 7469 लोगों की मौत हो गई हैं। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में पिछले 24 घंटे के दौरान रिकॉर्ड 3744 मौतें दर्ज की गई, जबकि इससे एक दिन पहले कोरोना से 3725 मौत हुई थी।

अमेरिका में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार तेजी से बढ़ते हुए एक करोड़ 97 लाख के पार पहुंच गई है, जबकि 3,42,312 लोगों की मौत हुई है। अमेरिका में कोरोना वायरस से बीस लाख से ज्यादा बच्चे भी संक्रमित हो चुके है और हालात बेहद खराब है। इस बीच हालांकि देश में कोरोना का टीका भी लगाया जा रहा है और अबतक लाखों लोगों ने कोरोना का टिका लगवा भी लिया हैं।

विश्व में कोरोना से 18.17 लाख लोगों की मौत

दूसरी ओर, विश्व में कई देशों में कोरोना वायरस (कोविड-19) के टीकाकरण का अभियान शुरू होने से बीच इस महामारी का प्रकोप जारी है और अब तक 18.17 लाख से ज्यादा लोगों की इसके कारण मौत हो चुकी है, जबकि 8.34 करोड़ लोग इससे प्रभावित हुए हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक विश्व के 191 देशों में कोरोना वायरस से अब तक 8,33,99,225 लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि 18 लाख 17 हजार 531 मरीजों की मौत हो चुकी है।

फ्रांस में 64 हजार से अधिक की मौत, इटली में 21 लाख से ज्यादा संक्रमित

ब्राजील में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या करीब 76.76 लाख हो गई है, जबकि इस महामारी से 1,94,949 मरीजों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 31.27 लाख से ज्यादा हो गई है, जबकि 56,271 लोगों की मौत हो गई है। फ्रांस में करीब 26.77 लाख लोग इस वायरस से प्रभावित हुए हैं और 64,759 मरीजों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में 24.96 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 73,622 लोगों की मौत हुई है। इटली में अब तक 21.07 लाख से अधिक लोग इस वायरस से संक्रमित हुए हैं और 74,159 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन में इस महामारी से अब तक 19.28 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं तथा 50,837 लोगों की मौत हुई है। जर्मनी में इस वायरस की चपेट में 17.45 लाख से ज्यादा लोग आ चुके हैं तथा 33,791 लोगों की मौत हुई है।

गरीबी हटाने के चीन के मॉडल से सीखना चाहती है पाकिस्तान सरकार: इमरान खान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

चीन के विकास मॉडल की प्रशंसा करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार आर्थिक वृद्धि को गति देने और गरीबी मिटाने के लिए चीन के औद्योगिक विकास से सीखना चाहती है। खान ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''यदि हम इस दुनिया में किसी देश से सीख सकते हैं तो यह चीन है। उसका विकास मॉडल पाकिस्तान के लिए सबसे अधिक उपयुक्त है।'' उन्होंने कहा, ''जिस रफ्तार से चीन ने पिछले 30 साल में विकास किया है, वह ऐसी बात है जिससे हम सीख सकते हैं।''

खान ने कहा कि चीन साबित कर पाया है कि गरीबी उन्मूलन ही असली विकास है। उन्होंने कहा, ''जिस तरह उसने औद्योगिकीकरण किया, विशेष निर्यात क्षेत्र बनाए, विदेशों से निवेश हासिल किया और उनका उपयोग अपना निर्यात बढ़ाने के लिए किया..उसके परिणामस्वरूप चीन ने अपनी संपदा में वृद्धि की।'' उन्होंने कहा,'' उसने उस धन का इस्तेमाल अपने लोगों को गरीबी से उबारने में इस्तेमाल किया... इतिहास में ऐसा कोई उदाहरण नहीं है।'' चीन ने पिछले महीने कहा था कि विश्व की सबसे अधिक आबादी वाले देश की सभी काउंटी में गरीबी उन्मूलन कर दिया गया है।

खान ने कहा कि (उनकी) सरकार ने चीनी उद्योगों को आकर्षित करने और उनका स्थान परिवर्तित करने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाये हैं ताकि वे अपने उत्पादों का पाकिस्तान से निर्यात कर सके। उन्होंने कहा कि नया साल आर्थिक वृद्धि का साल रहेगा क्योंकि देश सही दिशा में बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, '' हमारे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में हमारा निर्यात बढ़ रहा है, इसलिए पाकिस्तान सही दिशा में चल रहा है।

ब्रिटेन से पूरी तरह से अलग हुआ यूरोपीय संघ, शुरू हुआ नया सफर

लंदन। (एजेंसी)।

यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के व्यवस्थित और पूरी तरह से अलग होने की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को संपन्न हो गयी। इस कदम से ईयू का आकार तो छोटा हो गया लेकिन समूह के देशों के साथ ब्रिटेन का व्यापार जारी रहने को लेकर अड़चनें भी खत्म हो गयी। यूरोपीय संघ (ईयू) से अलग होने के तहत हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को ब्रिटेन की संसद ने बुधवार को मंजूरी दी थी। रात ग्यारह बजे ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने की प्रक्रिया पूर्ण हो गयी। नए समझौते में कुछ शर्तें और बंदिशें भी हैं लेकिन ब्रेक्जिट के समर्थकों का मानना है कि इससे उनका देश स्वतंत्र तरीके से अपने फैसले कर पाएगा। ब्रेक्जिट का समर्थन करने वाले प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के प्रयासों की बदौलत तमाम अवरोध के बावजूद यह समझौता पूरी तरह लागू हो गया। उन्होंने कहा, ''हमारे देश के लिए यह शानदार लम्हा है।'' नव वर्ष पर अपने वीडियो संदेश में जॉनसन ने कहा, ''अब हम आजादी से फैसले ले सकते हैं और हम खुद आगे अपना निर्णय ले सकेंगे।'' ईयू से अलग होने के तहत हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को संसदीय मंजूरी दिलाने के लिए क्रिसमस की छुट्टियों के बाद बुधवार को संसद का सत्र बुलाया गया था।

डोनाल्ड ट्रंप और जापान के सम्राट ने नए साल पर जारी किया वीडियो संदेश, तानाशाह किम ने पहली बार लोगों को भेजा 'नव वर्ष कार्ड'

वाशिंगटन/तोक्यो/ सियोल। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को एक वीडियो संदेश जारी किया जिसमें उन्होंने अपने प्रशासन द्वारा कोविड-19 का टीका जल्द विकसित किए जाने और अर्थव्यवस्था बहाल करने के लिए किए गए कार्यों को रेखांकित किया। ट्रंप इस वीडियो संदेश के लिए फ्लोरिडा से छुट्टियों से निर्धारित समय से एक दिन पहले व्हाइट हाउस लौटे थे। ट्रंप ने करीब पांच मिनट के अपने संदेश में कहा कि कोविड-19 का टीका '' वास्तव में चिकित्सा क्षेत्र का एक अभूतपूर्व चमत्कार'' है और आने वाले वर्ष में सभी के लिए टीका उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा, '' जो किया गया, हमें उसके लिए याद किया जाना चाहिए।'' व्हाइट हाउस ने हालांकि ट्रंप के जल्दी लौट आने का कोई कारण नहीं बताया, लेकिन इससे यह स्पष्ट हो गया कि ट्रंप हर साल उनके 'पाम बीच क्लब' पर होने वाली नव वर्ष की पार्टी में इस साल शामिल नहीं होंगे। ट्रंप के साथ प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप भी व्हाइट हाउस लौट आई हैं। गौरतलब है कि बतौर राष्ट्रपति ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है और डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालेंगे। वहीं, जापान के सम्राट नारुहितो ने नव वर्ष के अपने संदेश में कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों का जिक्र करते हुए इससे निपटने में मदद करने के लिए चिकित्सा पेशेवरों का शुक्रिया अदा किया। सम्राट और उनकी पत्नी महारानी मसाको इस वीडियो में साथ नजर आए। नारुहितो ने कोविड-19 के मरीजों का इलाज करने वाले डॉक्टरों और नर्सों के प्रति अपना ''गहरा सम्मान और आभार'' व्यक्त किया, साथ ही अपनों को खोने वालों, नौकरी खोने वालों और अकेलेपन से जूझ रहे लोगों के प्रति समानुभूति व्यक्त की। जापान में कोविड-19 से तीन हजार से अधिक लोगों की मौत हुई है। मसाको ने भी लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। सात मिनट के इस वीडियो संदेश में मसाको केवल 30 सेकेंड ही बोलीं। इस बार नव वर्ष पर उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने पहली बार लोगों को 'नव वर्ष कार्ड' भेजा। उन्होंने ''कठिन समय में'' उन पर विश्वास करने और उनका साथ देने के लिए जनता का शुक्रिया अदा किया और साथ ही उनके खुशहाल जीवन और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। किम हर साल एक जनवरी को वैसे टीवी पर एक भाषण देते हैं, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इस बार वह ऐसा नहीं करेंगे। किम इस बार जनवरी में होने वाले सत्तारूढ़ पार्टी के महत्वपूर्ण सम्मेलन को ही संबोधित करेंगे। 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' के अनुसार किम ने अपने पत्र में कहा, '' मैं उस नए युग को लाने के लिए कड़ी मेहनत करूंगा, जिसमें हमारे लोगों के आदर्श और इच्छाएं पूरी होंगी। मैं लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने हमेशा भरोसा किया और मुश्किल समय में भी हमारी पार्टी का समर्थन किया।

तनाव के बीच भारत-पाक ने एक दूसरे को सौंपी परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान और भारत ने शुक्रवार को अपने-अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची एक-दूसरे को सौंपी। दोनों देशों के बीच एक द्विपक्षीय समझौते के तहत हर साल ऐसा किया जाता है। इसका उद्देश्य उन्हें एक-दूसरे के परमाणु संस्थानों पर हमले करने से रोकना है। पाक विदेश कार्यालय ने यहां एक बयान जारी कर कहा कि इस सूची का आदान-प्रदान भारत और पाकिस्तान के बीच 'परमाणु प्रतिष्ठान एवं संस्थानों पर हमलों के निषेध पर समझौते' की धारा-2 के मुताबिक किया गया है। इस समझौते पर 31 दिसंबर 1988 को हस्ताक्षर किये गये थे।

बयान में कहा गया है,''पाकिस्तान के परमाणु प्रतिष्ठानों और संस्थानों से संबंधित सूची विदेश मंत्रालय में भारतीय उच्चायोग के एक प्रतिनिधि को आज पूर्वाह्न 11बजे आधिकारिक तौर पर सौंपी गई।'' बयान में कहा गया है, ''नयी दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्रालय ने भारत के परमाणु प्रतिष्ठानों और संस्थानों से संबंधित सूची पाकिस्तान उच्चायोग के एक प्रतिनिधि को पूर्वाह्न 11 बज कर 30 मिनट पर सौंपी।'' इस समझौते में यह प्रावधान है कि दोनों देश प्रत्येक वर्ष एक जनवरी को अपने-अपने परमाणु प्रतिष्ठानों और संस्थानों के बारे में एक दूसरे को जानकारी देंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूद तनाव के बावजूद दोनों देशों ने एक दूसरे को यह जानकारी मुहैया कराई है।

अमेरिका ने लश्कर सहित वैश्विक आतंकवादी संगठनों के रोकी आतंकी फंडिंग

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका ने विदेशी आतंकवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई के तहत वर्ष 2019 में पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद सहित अन्य आतंकवादी संगठनों के करीब 6.3 करोड़ डॉलर की वित्तीय मदद बाधित की है। यह जानकारी अमेरिका के राजकोषीय विभाग ने दी। अमेरिका के राजकोषीय विभाग द्वारा बृहस्पतिवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने लश्कर-ए-तैयबा के 3,42,000 डॉलर, जैश-ए-मोहम्मद के 1,725 डॉलर, हरकत उल मुजाहिदीन के 45,798 डॉलर के कोष को बाधित करने में सफलता हासिल की।

उल्लेखनीय है कि ये तीनों पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन हैं। हरकत-उल- मुजाहिदीन जिहादी समूह है जो कश्मीर में अपनी गतिविधियों को अंजाम देता है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान से संचालित और कश्मीर में अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे एक और संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के 4,321 डॉलर को वर्ष 2019 में रोकने में सफलता मिली जबकि उसके पिछले साल एजेंसियों को इस संगठन की 2,287 डॉलर की मदद रोकने में सफलता मिली थी। विभाग के मुताबिक अमेरिका ने तहरीक-ए-तालिबान के वर्ष 2019 में 5,067 डॉलर जब्त किए।उल्लेखनीय है कि डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेजरी ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट कंट्रोल (ओएफएसी) अमेरिका की अहम एजेंसी है जिसकी जिम्मेदारी अंतराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों और आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों की संपत्ति पर लगे प्रतिबंध को लागू करवाना है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने वर्ष 2019 में करीब 70 घोषित आतंकवादी संगठनों के 6.3 करोड़ डॉलर के वित्तपोषणको रोकने में सफलता हासिल की जिनमें सबसे अधिक 39 लाख डॉलर अकेले अलकायदा के हैं जबकि वर्ष 2018 में अमेरिका ने आतंकवादी संगठनों के 4.6 करोड़ डॉलर बाधित किए थे जिसमें 64 लाख डॉलर की राशि अलकायदा की थी। इस सूची में हक्कानी नेटवर्क भी है जिसकी 26,546 डॉलर की राशि जब्त की गई जो वर्ष 2018 के 3,626 डॉलर के मुकाबले अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने वर्ष2019 में लिब्रेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) की 5,80,811 डॉलर की राशि रोकने में सफलता हासिल की है। विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने आतंकवाद प्रायोजित करने वाले देशों की सूची में शामिल ईरान, सूडान,सीरिया और उत्तर कोरिया की 20.019 करोड़ डॉलर की राशि बाधित की है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साहित्य

हिंदी कथा साहित्य में वैविध्य का अभाव

अर्द्धवार्षिक पत्रिका पुनर्नवा के बहुप्रतीक्षित नये अंक (2001-प्रथम) में क्या हिंदी कथा साहित्य में वैविध्य का अभाव है विषय पर एक विचारोत्तेजक परिचर्चा आयोजित की गई है। जिसमें डा. महीप सिंह, से.रा. यात्री, डा. रामधारी सिंह दिवाकर, सूर्यबाला, डा. रामदरश मिश्र, महुआ माजी, नीलम कुलश्रेष्ठ, कृष्ण बिहारी और अरविंद त्रिपाठी ने विभिन्न अवधारणाएं रखी हैं। भारत भारद्वाज और साधना अग्रवाल ने हिंदी के लोकप्रिय साहित्य पर विहंगम दृष्टि डाली है और सबसे लोकप्रिय रही पुस्तकों की एक सूची प्रस्तुत की है। अपने समय के समस्याओं से जूझते समाज के कुछ जीवंत चित्र प्रेम भारद्वाज, प्रकाशकांत, हरिप्रकाश राठी, गोविंद उपाध्याय, इंदिरा दांगी और संगीता सिंह की कहानियों में उभरते है और लेखकीय सरोकारों को अभिव्यक्ति देते हैं।

शख्सियत

ग़ालिब का ख़त

अंदोह-ए-फ़िराक़ ने वो फ़शार दिया कि जौहर-ए-रूह गुदाज़ पाकर हर बुन-ए-मू से टपक गया। अगर आपके इक़बाल की ताईद न होती, तो दिल्ली तक मेरा? ज़िंदा पहुँचना मुहाल था।
जाड़ा, मेह, कब्ज़-ओ-इनक़िबाज़, फ़ुक़दान-ए-जूअ, फ़ाक़ाहाए मुतवातिर, मंजिलहाए नामानूस, हापुड तक आफ़ताब का नजर न आनाल शब-ओ-रोज़ हवाए ज़महरीर का जांगुज़ा रहना, बारे हापुड़ से चलकर नय्यर-ए-आज़म की सूरत दिखाई दी। धूप खाता हुआ दिल्ली पहुँचा। एक हफ़्ता कोफ़्ता-ओ-रंजूर रहा। अब वैसा पीर व नातवान हूँ, जैसा कि इस सफ़र से पहले था ख़ुदा वो दिन करे कि फिर उस दर पर पहुँचुं -

तुम सलामत रहो हज़ार बरस।
हर बरस के हों दिन पचास हज़ार।

शायरी

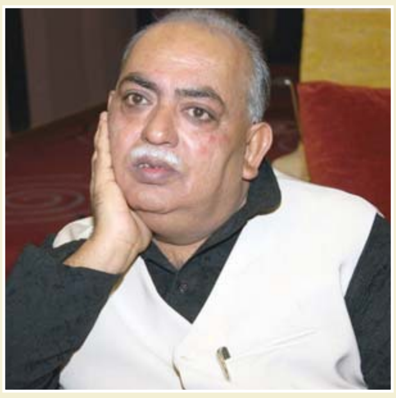

मिट्टी में मिलाना कि खिलौना हो जाऊं

मुनव्वर राणा

कम से कम बच्चों के होंठों की हँसी की ख़ातिर
ऐसे मिट्टी में मिलाना कि खिलौना हो जाऊँ

जो भी दौलत थी वह बच्चों के हवाले कर दी
जब तलक मैं नहीं बैठूँ ये खड़े रहते हैं

जिस्म पर मेरे बहुत शफ्फाफ़ कपड़े थे मगर
धूल मिट्टी में अटा बेटा बहुत अच्छा लगा

भीख से तो भूख अच्छी गाँव को वापस चलो
शहर में रहने से ये बच्चा बुरा हो जाएगा

अगर स्कूल में बच्चे हों घर अच्छा नहीं लगता
परिंदों के न होने से शजर अच्छा नहीं लगता

धुआँ बादल नहीं होता कि बचपन दौड़ पड़ता है
ख़ुशी से कौन बच्चा कारख़ाने तक पहुँचता है

स्वतंत्रता संग्राम की मशाल थामने वाले हाथ एक ओर जहां चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, यतीन्द्रनाथ दास और राजगुरु जैसे क्रांतिकारियों के थे तो दुर्गा भाभी और सुशीला जी जैसी वीरांगनाओं के भी। पढ़िये एक निर्भीक, साहसी और क्रांति समर्पित महिला की शौर्यगाथा

आजादी का अनोखा सपना बुना था दुर्गा भाभी ने

लखनऊ की एक प्रतिष्ठित शिक्षा संस्था है लखनऊ माण्टेसरी इंटर कालेज। इसकी स्थापना प्रसिद्ध क्रांतिकारी दुर्गा भाभी ने आजादी के बाद की थी। लखनऊ वे 1940 में ही आ गयी थीं। मॉडल हाउस में जहां श्रीयुत मोहनलाल गौतम रहा करते थे, उस मकान के बीच का हिस्सा उन्होंने किराए पर ले लिया और कैण्ट रोड पर पांच बच्चों को लेकर लखनऊ माण्टेसरी की स्थापना की थी। यह स्कूल ही आज लखनऊ माण्टेसरी इंटर कालेज के नाम से जाना जाता है। भाभी के निधन के बाद इस विद्यालय के प्रांगण में भाभी की सीमेण्ट की आवक्ष प्रतिमा लग गई है। मैं भाभी के इस स्मारक के सामने खडा उनकी स्मृतियों में खो जाता हूं..

भगत सिंह की पत्नी बनीं दुर्गा भाभी

क्रांतिकारी आन्दोलन में भाभी अपने पति भगवतीचरण वोहरा के साथ सक्रिय थीं। भगवतीचरण देश की मुक्ति के लिए चलाए जा रहे सशस्त्र क्रांतिकारी संग्राम के मस्तिष्क थे। वे बहुत बौद्धिक क्रांतिकारी थे। उन्होंने नौजवान भारत सभा के घोषणापत्र के साथ ही गांधी जी के कल्ट ऑफ द बम के जवाब में बम का दर्शन जैसे तर्कपूर्ण दस्तावेजों को लिपिबद्ध किया था। क्रांतिकारी दल को वे भरपूर आर्थिक मदद भी देते थे। जिन दिनों साइमन कमीशन भारत आया तो देश भर में उसके विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन हुए। ऐसे ही एक अभियान का नेतृत्व करते हुए लाला लाजपत राय पर पुलिस की लाठियां पडीं जिसमें वे बुरी तरह घायल होकर शहीद हो गए। चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में भगत सिंह और राजगुरु ने लाहौर की धरती पर पुलिस अफसर सॉण्डर्स को मार कर इसका बदला ले लिया। इस घटना से देश मानो सोते से जाग उठा। अब समस्या यह थी कि भगत सिंह को लाहौर से बाहर किस तरह निकाला जाए। भगत सिंह अपने केश कटवाकर एक सिख युवक से सिर पर हैट लगाए साहब में तब्दील हो गए और दुर्गा भाभी अपने तीन वर्षीय बेटे शची को गोद में लेकर भगत सिंह के साथ उनकी पत्नी के रूप में कलकत्ता निकल गई। यह बहुत साहसपूर्ण कार्य था जिसे भाभी ने अत्यन्त सूझबूझ से सम्पन्न कर डाला। भगवतीचरण भी भाभी का यह कृत्य देखकर दंग रह गए। उनके मुंह से एकाएक निकला- तुम्हें आज समझा।

कलकत्ता पहुंचकर भगत सिंह चुप नहीं बैठे। यहां यतीन्द्रनाथ दास से मिलकर दीर्घकालीन योजनाएं बनाई और ब्रिटिश सरकार के जनविरोधी

कानूनों को पास किए जाने के विरोध में 8 अप्रैल 1929 को संसद भवन में उन्होंने बटुकेश्वर दत्त क साथ मिलकर बम विस्फोट करने के साथ ही क्रांतिकारी दल की नीतियों और कार्यक्रमों में छपे हुए पर्चे फेंके और अपनी गिरफ्तारी दे दी। कौन जाने कि इस अभियान पर जाने से पहले भाभी और सुशीला दीदी ने अपने रक्त से तिलक कर उन्हें अंतिम विदाई दी थी। इसके बाद भगत सिंह वाले मुकदमें में गिरफ्तार क्रांतिकारियों की मदद के लिए चन्दा मांगने वाली 40-50 महिलाओं में भाभी भी शामिल रहती थीं। जो मिलता उससे क्रांतिकारियों के लिए सामान आदि खरीदा जाता। कोई पैसा इधर-उधर हो जाए, यह संभव नहीं था। दल के संकट के समय भाभी यहां से वहां संदेश पहुंचाने का काम भी बडी सतर्कता से करती रहीं।

क्रांतिकारी दल की ओर से भगत सिंह को जबरदस्ती जेल से छुडाने की योजना बनी तो उस हमले में प्रयुक्त दल की ओर से भगतसिंह को जबरदस्ती जेल से छुडाने की योजना बनी किंतु उस हमले में प्रयुक्त किये जाने वाले बमों का रावी तट पर परीक्षण करते हुए दुर्घटनावश भगवतीचरण शहीद हो गए। वह 28 मई 1930 का दिन था जब भाभी ने चुपचाप अपना सुहाग पोंछ डाला था। उन क्षणों में भैया [चंद्रशेखर आजाद] ने उन्हें धैर्य बंधाते हुए कहा था- भाभी, तुमने देश के लिए अपना सर्वस्व दे दिया है। तुम्हारे प्रति हम अपने कर्तव्य को कभी नहीं भूलेंगे।

भैया आजाद का स्वर सुनकर भाभी के होठों पर दृढ संकल्प की एक रेखा खिंच गई थी उस दिन। वे उठ बैठीं। बोलीं- पति नहीं रहे, लेकिन दल का काम रुकेगा नहीं। मैं करूंगी..। और वे दूने वेग से क्रांति की राह पर चल पडीं। अपने तीन साल के बेटे की परवाह नहीं की। वे बढती गई, जिस राह पर जाना था उन्हें। रास्ते में दो पल बैठकर कभी सुस्ताई नहीं, छांव देखकर कहीं ठहरी नहीं। चलती रहीं- निरन्तर। जैसे चलना ही उनके लिए जीवन का ध्येय बन गया हो। भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त को जेल से छुडाने के लिए आजाद चले तो भाभी ने उनसे आग्रह किया- संघर्ष में मुझे भी साथ चलने दें, यह हक सर्वप्रथम मेरा है। आजाद ने इसकी स्वीकृति नहीं दी। वह योजना भी कामयाब नहीं हो पाई। कहा जाता है कि भगत सिंह ने स्वयं ही इसके लिए मना कर दिया था।

और गोली चला दी भाभी ने

भाभी जेल में भगत सिंह से मिलीं। फिर लाहौर से दिल्ली पहुंची। गांधी जी वहीं थे। यह कराची कांग्रेस से पहले की बात है। भगत सिंह की रिहाई के सवाल को लेकर भाभी गांधी जी के पास गई। रात थी। कोई साढे ग्यारह का वक्त था। बैठक चल रही थी। नेहरू जी वहीं घूम रहे थे। वे सुशीला दीदी और भाभी को लेकर अंदर गए। गांधी जी ने देखा तो कहा- तुम आ गई हो। अपने को पुलिस में दे दो। मैं छुडा लूंगा।

गांधी जी ने समझा कि वे अपने संकट से मुक्ति पाने आई हैं। भाभी तुरंत बोलीं- मैं इसलिए नहीं आई हूं। दरअसल, मैं चाहती हूं कि जहां आप अन्य राजनीतिक बंदियों को छुडाने की बात कर रहे हैं वहां भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को छुडाने की शर्त भी वायसराय के सामने रखें।

गांधी जी इसके लिए सहमत नहीं थे। भाभी सारी स्थिति समझ गई और उन्हें प्रणाम करके वापस चली आई। फिर वे शची को लेकर बम्बई पहुंचीं। वहां पृथ्वी सिंह आजाद और सुखदेव राज के साथ लेमिंग्टन रोड पर गवर्नर पर गोलियां चलाई। पुलिस कोई भेद न पा सकी। ड्राइवर के बयानों से पता चला कि गोलियां चलाने वालों में लम्बे बालों वाला लडका था। भाभी के बाल लम्बे थे ही। कद छोटा-सा। किसी को अनुमान न था कि इस कांड के पीछे कोई स्त्री भी हो सकती है। खोजबीन में लम्बे बालों को रखने के शौकीन युवक पकडकर पीटे गए। उसके बाद पता नहीं कैसे भाभी को फरार घोषित कर दिया गया। वारंट में उनका नाम लिखा था शारदा बेन और उनके पुत्र शची का हरीश। लाहौर के भाभी के तीन मकान जब्त हो गए थे। इलाहाबाद के भी दो। भगवतीचरण के वारंट पर पहले ही सब कुछ कुर्क हो चुका था। श्वसुर ने जो 40 हजार रुपए दिए थे, उनमें से कुछ क्रांतिकारी कार्यो पर व्यय हो गए थे। बाकी जिस परिचित सज्जन के यहां रखे गए थे वे मिले नहीं। कितना कुछ सहा उन दिनों भाभी ने। बताती थीं मुझे कि उन्हीं दिनों राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन ने उन्हें बहुत स्नेहपूर्वक कहा था- बेटी, मेरे यहां आकर रहो। भाभी उनके पास 5-6 महीने रहीं। फिर चली आईं। अपने को गिरफ्तार कराया। बयान देने के लिए उन पर बहुत जोर डाला गया। लेकिन भाभी झुकने वाली कहां थीं? हार मान गए पुलिस वाले।

भाभी को देखता था तो बार-बार होठों पर आ जाता था- भाभी एक अनवरत यात्रा हैं। और इस दीर्घ यात्रा में एकाएक 14 अक्टूबर 1999 को विराम लग गया..। आजाद भारत में भाभी को आदर और उपेक्षा दोनों मिले। सरकारों ने उन्हें पैसे से तौलना चाहा। कई वर्ष पहले पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री दरबारा सिंह ने उन्हें 51 हजार रुपए भेंट किए। भाभी ने वे रुपए वहीं वापस कर दिए। कहा- जब हम आजादी के लिए संघर्ष कर रहे थे, उस समय किसी व्यक्तिगत लाभ या उपलब्धि की अपेक्षा नहीं थी। केवल देश की स्वतंत्रता ही हमारा ध्येय था। उस ध्येय पथ पर हमारे कितने ही साथी अपना सर्वस्व न्योछावर कर गए, शहीद हो गए।

मैं चाहती हूं कि मुझे जो 51 हजार रुपए दिए गए हैं, उस पैसे से यहां शहीदों का एक बडा स्मारक बनाने की शुरुआत की जाए जिससे क्रांतिकारी आंदोलन के इतिहास का अध्ययन और अध्यापन हो क्योंकि देश की नई पीढी को इसकी बहुत आवश्यकता है।देश के स्वतंत्र होने के बाद की राजनीति भाभी को कभी रास नहीं आई। अनेक शीर्ष नेताओं से निकट संपर्क होने के बाद भी वे संसदीय राजनीति से दूर बनी रहीं। 1937 की बात है, जब कुछ क्रांतिकारी साथियों ने गाजियाबाद से तार भेजकर भाभी से चुनाव लडने की प्रार्थना की। भाभी ने तार से ही उत्तर दिया- चुनाव में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है।

व्यंग्य

मिठाई के डिब्बे में प्याज

जसविंदर शर्मा

अभी कुछ दिनों से पहाड़ी आलू के आतंक से मुक्ति मिली ही थी कि अब प्याज ने खून के आंसू रुला दिए हैं। ऊपर से जमाने वालों की एहसान-फरामोशी देखिए। किसी से सहानुभूति क्या खाक करेंगे, महंगाई की मार से कोई रो रहा है, तो उसके सामने प्याज काटने बैठ जाएंगे। अमीर आदमी यह सोचकर हैरान हो रहा है कि अस्सी रुपये दिहाड़ी पाने वाला आदमी पचास रुपये प्रति किलो प्याज लेकर कैसे खा पाएगा! यह तो दुनिया का आठवां आश्चर्य होगा कि इतनी कम आमदनी में इतनी महंगी चीज खाकर भी हम भारतवासी सबसे ज्यादा खुश रहने वाले आदमी माने जाते हैं। आज ही अखबार में विज्ञापन देखा है कि टीवी या माइक्रोवेव खरीदने पर बीस किलो प्याज फ्री। गरीब आदमी की खास पसंद मूंग की दाल तो सौ रुपये प्रति किलो के ऊपर चली गई है और अमीर का चिली-चिकन और पिज्जा-नूडल्स काफी सस्ते में मिल रहा है। गरीब आदमी को जलील करने की यह तो हद हो गई। आम आदमी सूखी रोटी और अचार के साथ एक-आध प्याज खाकर खुश हो लेता था, मगर जमाने वाले को यह भी गंवारा न हुआ। मजाक करने की भी कोई हद होती है! बाजार में आटा बीस रुपये किलो मिल रहा है और बीस रुपये मासिक किस्त पर मोबाइल भी उपलब्ध है। सब्जियों के दाम तो ऐसे आसमान छू रहे हैं, जैसे देश में भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड नित नई ऊंचाइयों को छूता जा रहा है। गरीब आदमी दाल-रोटी खा रहा था और राम का नाम ले रहा था, मगर बहुराष्ट्रीय मगरमच्छों को यह भी रास नहीं आया। फटाक से सरकार के कान फूंक दिए। पहले तो करोड़ों टन प्याज का निर्यात कर दिया गया और अब वही प्याज विदेशों से आयात करके करोड़ों के वारे-न्यारे किए जा रहे हैं। अब तो कोई घर में मिठाई भी लेकर आता है, तो इच्छा होती है कि काश इसके बदले दो-चार किलो प्याज ही ले आता! पिछले दिनों आलू ने भी काफी कोहराम मचाया और तीस रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिकता रहा। पहाड़ी आलू के नाम पर जनता लुटती रही। खैर वैसे भी आलू तो दलबदलू नेता की तरह होता है। उसे जिस सब्जी में भी डाल दो, वैसा ही स्वाद अख्तियार कर लेता है। लेकिन प्याज ऐसा बेशर्म नहीं होता, वह अपना जायका नहीं बदलता है। कुछ सब्जियां तो बिना प्याज के बन ही नहीं सकती हैं। एक तो पहले से ही आम आदमी के क्षुद्र जीवन में दुखों का अंबार लगा था, सस्ते प्याज के कटते ही लोगों की आंखों में आंसू आ जाते थे। आंसू बहाकर बेचारे गरीब का दुख कम हो जाता था। अब तो वह भी दुश्वार हो गया। अब न प्याज रहेगा और न ही आम आदमी उसे काट पाएगा और न ही अपने दुखों से निजात ही पा सकेगा।

विचारों का प्रतिबिंब होती है डायरी

डायरी लिखना भले ही एक सामान्य बात हो लेकिन यह न केवल विचारों को प्रतिबिंब करती है बल्कि एक ऐसी आदत भी बन जाती है जो भविष्य में अमूल्य धरोहर भी हो सकती है। अभिनेता पंकज धीर ने ईमेल के माध्यम से बताया समय निकालना मुश्किल होता है लेकिन फिर भी मेरी कोशिश होती है कि डायरी लिखूँ। पढ़ने लिखने में रूचि के साथ डायरी लिखने के लिए मुझे प्रेरित करने का श्रेय मेरे अभिभावकों को जाता है। डायरी में अक्सर मैं कोई यादगार घटना संक्षेप में दर्ज करता हूँ। वैसे मुझे डायरी पढ़ना भी अच्छा लगता है।एक निजी जासूसी संस्था से जुड़े नीरज पाहवा कहते हैं डायरी हम जासूसों के लिए खास महत्व रखती है क्योंकि कई बार इसमें कई ऐसी बातों का जिक्र होता है जो पूरे मामले के अनछुए पहलुओं को दर्शाती हैं। डायरी में दर्ज बातें पूरे मामले को सुलझाने में या उसकी जाँच की दिशा बदलने में अहम भूमिका निभाती हैं। डायरी अपने रचनाकार के कई अनजान पहलुओं की परिचायक भी होती है। देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले भगत सिंह जब लाहौर की सेंट्रल जेल में थे तब उन्होंने भी डायरी लिखी थी। उनकी यह डायरी 2007 में उनके परिवार वालों ने प्रकाशित कराई। कुल 404 पृष्ठ की यह मूल डायरी भगत सिंह के पौत्र यादविंदर सिंह के पास है। डायरी के पन्नों पर अंकित एक-एक शब्द देशभक्ति की अनुपम मिसाल के साथ ही भगत सिंह के सुलझे हुए विचार और उनके समूचे व्यक्तित्व का परिचय देता है।

पुस्तक समीक्षा

शब्दों का चमत्कार

सीधे-सरल-सपाट शब्दों में कहा जाए तो एक असाधारण कृति। ठीक वैसी ही जैसा नारदीय भक्ति सूत्र कहता है प्रमाणान्त स्थान पेक्षत्वात स्वयं प्रमाणत्वात् 'अन्य से प्रमाणित होने की इसे अपेक्षा नहीं, यह स्वयं ही प्रमाण है'। हरे घास की छप्पर वाली इस झोपडी में प्रवेश कीजिए- यहां चप्पे-चप्पे पर शब्दों का चमत्कार बिछा है। हर शब्द की अपनी सत्ता, अपनी महत्ता, और पूरे वाक्य में गुंथने के बाद उसका ब्रह्म जैसा ही अद्भुत, असीमित और अपरिमित हो जाना। रहस्यबोध, दार्शनिक अंतश्चेतना और सामाजिक दृष्टि के साथ जादुई यथार्थ का अद्भुत प्रयोग तथापि सर्वत्र सहजता के विरल संगीत की अनुगूंज। ये झोपडी अनेक प्रकट और अप्रकट अर्थो के अन्वेषण और संधान की व्यापक संभावनाओं को छिपाये अपने आप में एक ब्रह्माण्ड जैसी है। इस ब्रह्माण्ड ने साहित्य की संवेदन भूमि से विस्थापित होती तमाम चीजों को संजोया है। पतरंगी, गौरय्या, खंजन, हरेवा, हरियल, अबाबील, कबूतर, बगुला, बाज, तितली, शेर, गिलहरी, बिल्ली, बिच्छू, हाथी, नदिया, समुद्र, अमलतास, मौलश्री, सूरज, चंदा, तारे, सूर्योदय, सूर्यास्त, सांझ, पंख, उडान, सपने और गीत.. बचपन के सप्तरंग और इनके साथ हरी घास का छप्पर और बौना पहाड। नगरीय औद्योगिक यूटोपिया और जीवन पद्धति के शोर शराबे और चमक-दमक की घुसपैठ से आक्रान्त साहित्य के आंगन में इन बेहद सहज-साधारण सी संज्ञाओं, क्रियाओं और प्रतीकों की अनोखी दुनिया मानो किसी जूम लेंस से खींचकर बिखेर दी गई है। यह दुनिया चटखते आंगन को नमन करती-सींचती सी जान पडती है। सघन सान्द्र और उत्तप्त सर्जनात्मक, भाषा-शिल्प और संवेदन की अद्भुत क्षमता से भरे इन पृष्ठों से गुजरते हुए धीरे-धीरे जागता है, उर्जस्वित होता है और परिपुष्ट होता है यह भाव कि सोना स्वयं अपने आप में महत्व नहीं रखता जरूरत इस बात की होती है कि कारीगर के हाथ सोने के हों..

दो अनुभूतियां

मनोज कुमार झा

अनुपस्थिति

तुम नहीं तो यहाँ अब मेरे
हाथ नहीं हैं
एक जोड़े दस्ताने हैं
पैर भी नहीं
एक जोड़ी जूते हैं
देह भी नहीं
बस मांस का एक बिजूका
जिसमें रक्त और हवायें घूम
रही हैं

विनय

नहीं, अभी नहीं
अभी रात बहुत तेज है
अभी नहीं जा
सकता पोखर तक
लोग लूट रहे मछलियाँ, लूटने
दो
पानी जाने के बाद पहली बार
आया हूँ घर
तुमने लीपा है जलधर मिट्टी
को
पूरे शरीर को बाँध दिया है
घर की गंध ने
नहीं, अभी नहीं जाऊँगा
चलो एक दिन
और सिर्फ
भात के कौर
बच्चों की तरफ
तो मेरी माँ भी
झुकी हुई थी
मगर तुम ही बोलो मेरा भी
और कहाँ ठौर।

कविता

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड से लोगों को मिली मामूली राहत, जल्द बारिश होने की संभावना

भोपाल। मध्यप्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान में मामूली वृद्धि से नये साल के पहले दिन लोगों को कड़ाके की ठंड से कुछ राहत मिली। प्रदेश का अधिकांश भाग पिछले कुछ दिनों से कड़ाके की ठंड की चपेट में था। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) भोपाल के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक जी डी मिश्रा ने बताया कि मध्यप्रदेश में शुक्रवार को सबसे कम तापमान ग्वालियर में 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दतिया में न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस रहा। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को दतिया में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस और ग्वालियर में 4.4 डिग्री सेल्सियस था। उन्होंने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश के कुछ भागों में बादल छा रहे हैं, इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि रविवार तक पश्चिमी मध्यप्रदेश में हल्की बारिश हो सकती है। मिश्रा ने बताया, ''पश्चिमी विक्षोभ के परिणामस्वरूप हवा का कम दबाव दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में बना हुआ है, इससे तीन जनवरी तक उज्जैन, ग्वालियर एवं चंबल संभागों में बारिश हो सकती है।''

यूपी में हो रही कोविड-19 टीके के नाम पर साइबर ठगी, पुलिस ने जारी किया अलर्ट

नोएडा। कोविड-19 का टीका उपलब्ध कराने के नाम पर साइबर ठगी के बाबत गौतमबुद्ध नगर पुलिस आयुक्तालय ने अलर्ट जारी किया है। अपर पुलिस उपायुक्त अंकुर अग्रवाल ने बताया कि साइबर अपराधियों ने लोगों को ठगने के लिए नया तरीका अपनाया है। उन्होंने बताया कि साइबर सेल को कई ऐसी शिकायतें मिली है, जिसमें साइबर ठग अपने आप को स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी बताकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं और कोविड-19 का टीका लगाने के लिए पंजीकरण कराने के नाम पर ई-मेल, आधार संख्या आदि की जानकारी मांग रहे हैं।

योगी सरकार पर मायावती ने लगाया आरोप, कहा- यूपी पुलिस का अनुचित प्रयोग हो रहा है

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने नये वर्ष पर शुभकामना देने के साथ ही केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। मायावती ने नये धर्मांतरण कानून पर राज्य सरकार को घेरते हुए कहा, अपनी कमियों पर से लोगों का ध्यान हटाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लव जिहाद व धर्मांतरण-विरोध के संबंध में निरंकुशता के अनोखे प्रावधानों के साथ आपाधापी में अध्यादेश लाकर पुलिस राज का जो अनुचित इस्तेमाल हो रहा है, वह राजनीतिक एजेंडे का ही काम ज्यादा लगता है। बसपा मुखयालय से शुक्रवार को जारी नव वर्ष के बधाई बयान में मायावती ने धर्मांतरण कानून पर अपनी प्रतिक्रिया को विस्तार देते हुए कहा, सरकार की नीयत व नीति द्वेष, भेदभाव व विभाजन को बढ़ावा देकर समाज को बांटने की ज्यादा है, जो अब दूसरे प्रदेशों में भी फैल कर अति घातक होती जा रही है। उन्होंने गुजरे 2020 में नया नागरिकता कानून और तीन नये कृषि कानूनों पर हुए आंदोलनों की याद दिलाते हुए कहा कि वर्तमान में केंद्र सरकार का रवैया अभी तक देश हित में सही समाधान नहीं दे पा रहा है।

नए साल के अवसर पर शराब पीकर वाहन चलाने वाले 416 लोगों पर दर्ज हुआ मामला

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में नए साल के जश्न के मौके पर शराब पीकर वाहन चला रहे 416 लोगों पर पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं। वहीं 200 उन लोगों पर भी मामले दर्ज हुए हैं, जो नियम का उल्लंघन करने वाले चालकों के साथ थे। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं और मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (यातायात) बालासाहेब पाटिल ने बताया, ''कुल 623 लोग शराब के नशे में पाए गए।

कश्मीर में हाड़ कंपाने वाली सर्दी, गुलमर्ग में पारा शून्य से नौ डिग्री नीचे लुढ़का

श्रीनगर। कश्मीर में शुक्रवार को भी हाड़ कंपानी वाली शीत लहर जारी रही और नए साल पर घाटी में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से नीचे चला गया। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में तापमान में गिरावट के बाद कई जलाशयों सहित जल आपूर्ति के पाइपों में पानी जम गया। अधिकारियों ने कहा कि शुष्क मौसम ने गुलमर्ग के प्रसिद्ध स्की-रिजॉर्ट में नए साल पर बर्फ गिरने का इंतजार कर रहे सैकड़ों पर्यटकों को निराश कर दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि, रिजॉर्ट में विभिन्न स्थानों पर घास के मैदान पर बड़े-बड़े बर्फ के टुकड़े नए साल के जश्न को और मनोरम बना रहे थे। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग में तापमान शून्य से नौ डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। घाटी में गुलमर्ग सबसे ठंडा स्थान रहा। अमरनाथ यात्रा के लिए दक्षिण कश्मीर में आधार शिविर पहलगाम में पारा शून्य से 7.8 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान चला गया।

सीएम योगी बोले- गरीबों के आवास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा लाइट हाउस प्रोजेक्ट

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से शहरी गरीबों को टिकाऊ और आपदारोधी आवास उपलब्ध कराने में उत्तर प्रदेश सरकार को सफलता मिली है और इस दिशा में लाइट हाउस प्रोजेक्ट मील का पत्थर साबित होगा। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत अवध विहार योजना, शहीद पथ, लखनऊ में 131 करोड़ रुपये की लागत की परियोजना लाइट हाउस प्रोजेक्ट (एलएचपी) के शिलान्यास के मौके पर बोल रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना का ऑनलाइन शिलान्यास किया। देश में छह राज्यों में ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज इंडिया (जीएचटीसी इंडिया) की नींव और प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के वितरण कार्यक्रम में दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली जुड़े जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शहीद पथ स्थित अवध विहार योजना में प्रस्तावित प्रोजेक्ट से लाइव जुड़े। इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नव वर्ष की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि सबके लिए आवास की इस योजना में शहरी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में अब तक 17 लाख 58 हजार परिवारों को एक-एक आवास आवंटित किया गया है जिसमें छह लाख 15 हजार आवास पूर्ण होकर गरीब परिवारों को उपलब्ध कराये जा चुके हैं और 10 लाख 80 हजार आवास निर्माण की प्रक्रिया से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पूरी प्रतिबद्धता और समयबद्धता के साथ आवासहीन गरीबों को आवास उपलब्ध कराने में सफल हुई है। यह टिकाऊ और आपदारोधी तकनीक से बन रही है।

एलएचपी के लिए उत्तर प्रदेश का चयन मॉडल के रूप में किया गया है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि लखनऊ में पांच टावर्स में 14 मंजिल में कुल 1040 आवासों का निर्माण किया जाएगा जो अधिक टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल और भूकंपरोधी होंगे। प्रवक्ता के मुताबिक लखनऊ के 1040 शहरी गरीबों को मात्र पौने पांच लाख में 415 वर्गफुट एरिया का फ्लैट अगले साल सौंपा जाएगा। इसकी कीमत 12 लाख 59 हजार होगी, इसमें केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से सात लाख 83 हजार रुपये अनुदान के रूप में दिए जाएंगे। शेष धनराशि चार लाख 76 हजार ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लाभार्थी को देने होंगे। फ्लैट का आवंटन प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अनुसार किया जाएगा और डूडा के माध्यम से डीएम की अध्यक्षता में खुली लॉटरी कराई जाएगी। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार ने शहरी कमजोर वर्गों को ध्यान में रखते हुए पांच अन्य राज्यों समेत उत्तर प्रदेश में लखनऊ को लाईट हाउस प्रोजेक्ट के तहत आवास बनाने के लिए चुना है। शहीद पथ स्थित अवध विहार योजना में बनने वाले एलएचपी का क्रियान्वयन 34.50 वर्ग मीटर कारपेट एरिया में किया जा रहा है। प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार भवन निर्माण सम्बन्धित अनुसंधान संस्थाओं, छात्रों, प्रौद्योगिकी संस्थाओं, वास्तुविदों और अभियंताओं में नई तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन में नई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है, जिस कारण निर्माण कार्य करीब एक साल में पूरा हो सकेगा।

श्रमिकों को 'अपमानित' करने वालों को कोरोना के समय उनकी अहमियत पता चली: पीएम मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दूसरे राज्यों में काम करने वाले श्रमिक कोरोना संक्रमण काल में जब अपने-अपने गांवों को ओर लौट गए तो तब उन राज्यों को उनकी अहमियत का पता चला जो पहले कभी उन्हें ''अपमानित'' किया करते थे। प्रधानमंत्री ने अपनी इस टिप्पणी के दौरान किसी राज्य विशेष का नाम नहीं लिया। कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए केंद्र सरकार द्वारा देशभर में लागू किए लॉकडाउन के दौरान दिल्ली और मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों में औद्योगिक गतिविधियां ठप हो गई थीं और इस कारण प्रवासी श्रमिकों ने अपने गांवों की ओर पलायन शुरू कर दिया था। उन्होंने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से छह राज्यों के छह शहरों में वैश्विक आवासीय प्रौद्योगिकी चुनौती-भारत (जीएचटीसी-भारत) के तहत हल्के मकानों से जुड़ी परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद यह बात कही। प्रवासी श्रमिकों और शहरी

गरीबों को कम बजट पर आवास की सुविधा मुहैया कराने वाली ''अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग कॉम्प्लेक्सेज योजना'' को कोरोना संकट काल के दौरान उठाया गया ''बड़ा कदम'' बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका लक्ष्य एक राज्य से दूसरे राज्य में या फिर गांव से शहरों का रुख करने वाले श्रमिकों के लिए आवासीय सुविधा मुहैया कराना है। उन्होंने कहा, ''कोरोना के पहले तो हमने देखा था कि कुछ जगह अन्य राज्य से आए लोगों के लिए 'अनाप-शनाप' बातें बोली जाती थीं। उनको अपमानित किया जाता था। लेकिन कोरोना के समय सारे मजदूर अपने-अपने गांव लौट गए तो बाकियों को पता चला कि इनके बिना जिंदगी जीना कितना मुश्किल है। कारोबार चलाना कितना मुश्किल है। उद्योग धंधे चलाना कितना मुश्किल है।'' उन्होंने कहा कि ''हाथ-पैर जोड़कर'' श्रमिकों को वापस बुलाया जाने लगा। उन्होंने कहा, ''श्रमिकों के सामर्थ्य और सम्मान को जो लोग स्वीकार नहीं करते थे, कोरोना ने उनको स्वीकार करने के लिए मजबूर कर दिया।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि शहरों में श्रमिकों को उचित किराए पर मकान भी उपलब्ध नहीं मिलते थे और उन्हें छोटे-छोटे कमरों में रहना पड़ता था जहां पानी, बिजली और शौचालय से लेकर गंदगी जैसी तमाम समस्याएं हुआ करती हैं। उन्होंने कहा, ''राष्ट्र की सेवा में लगे श्रमिक गरिमा के साथ जीवन जीएं, यह भी सभी देशवासियों का दायित्व है। इसी सोच के साथ सरकार उद्योगों के साथ और दूसरे निवेशकों के साथ मिलकर उचित किराए वाले घरों का निर्माण करने पर बल दे रही है। यह कोशिश भी है कि आवास उसी इलाके में हो जहां वह काम करते हैं।

सरकार के साथ बैठक से पहले बोले किसान नेता राकेश टिकैत, 4 जनवरी को एमएसपी कानून बनाने पर होगी चर्चा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

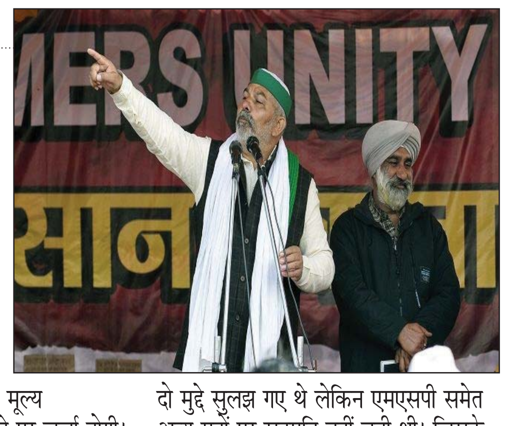

केंद्र के कृषि कानूनों के विरोध में किसान संगठनों का विरोध प्रदर्शन अभी जारी है। किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे हुए हैं। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार से होने वाली अगली बैठक में कानूनों की वापसी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाने पर चर्चा होगी। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में राकेश टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार से 4 जनवरी को होने वाली अगली बैठक में कानूनों की वापसी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाने पर चर्चा होगी। आज सभी लोग विधिवत रूप से इस पर चर्चा करेंगे कि पहले हुई बैठक में क्या हुआ और अगली बैठक में क्या होगा।

उल्लेखनीय है कि 30 जनवरी को किसान संगठनों की केंद्र सरकार के साथ हुई वार्ता में दो मुद्दे सुलझ गए थे लेकिन एमएसपी समेत अन्य मुद्दों पर सहमति नहीं बनी थी। जिसके बाद इन मुद्दों को सुलझाने के लिए 4 जनवरी का दिन तय किया गया है। बैठक के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया था कि चार विषयों में से दो मुद्दों पर पारस्परिक सहमति के बाद 50 प्रतिशत समाधान हो गया है और शेष दो मुद्दों पर चार जनवरी को चर्चा होगी। तोमर ने कहा था, ''तीन कृषि कानूनों और एमएसपी पर चर्चा जारी है तथा चार जनवरी को अगले दौर की वार्ता में यह जारी रहेगी।''

जम्मू के परिम्पोरा में हुई मुठभेड़ को महबूबा मुफ्ती ने बताया फर्जी, निष्पक्ष जांच की मांग की

श्रीनगर। (एजेंसी)।

पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में दो दिन पहले हुई कथित फर्जी मुठभेड़ में तीन युवकों के मारे जाने के मामले में शुक्रवार को निष्पक्ष जांच और शवों को युवकों के परिवारों को सौंपने की मांग की। मुफ्ती ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को पत्र लिखकर कहा कि ऐसी घटनाओं से सशस्त्र बलों की ''बदनामी'' होती है और यह मानवाधिकार का ''गंभीर उल्लंघन'' है। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि आप 30 दिसंबर को परिम्पोरा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से अवगत हैं। तीन लड़के मारे गए, उसमें एक की उम्र 17 साल थी। परिवारवालों का आरोप है कि यह सुनियोजित मुठभेड़ थी।''

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस मुठभेड़ पर भी सवाल उठ रहे हैं और पुलिस तथा सेना की तरफ से विरोधाभासी रिपोर्ट आयी है। त्वरित कार्रवाई होने पर ही इंसाफ होगा और इसलिए मैं आपसे इस मामले में तुरंत निष्पक्ष जांच शुरू करवाने का आग्रह करती हूं।'' पुलिस ने बुधवार को दावा किया था परिम्पोरा इलाके में देर रात मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गए, लेकिन मारे गए युवकों के परिजनों ने कहा कि आतंकवादी गतिविधियों में वे संलिप्त नहीं थे और उनमें से दो छात्र थे। मुफ्ती ने कहा कि यह घटना ऐसे समय हुई है जब पिछले साल शोपियां के अमशीपुरा में कथित फर्जी मुठभेड़ में राजौरी के तीन लोगों के मारे जाने की घटना के

मामले में एक सैन्य अधिकारी और दो अन्य कर्मियों के खिलाफ पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया है।

मुफ्ती ने कहा कि उन्हें पता है कि प्रशासन तीनों युवकों के शवों को श्रीनगर में उनके परिवारों को लौटाने को लेकर आशंकित है लेकिन ''ऐसे लापरवाहीपूर्ण फैसले से परिजनों का दुख और दर्द और बढ़ेगा।'' उन्होंने पत्र में लिखा है, ''उम्मीद है आप इस फैसले पर पुनर्विचार करेंगे और परिजनों को उनके अंतिम दर्शन करने देंगे। अपने बेटे को खो चुकी मांओं को अपने बेटों का चेहरा अंतिम बार देखने से उन्हें वंचित मत कीजिए।'' मुफ्ती ने सिन्हा से मामले में हस्तक्षेप करने और परिवार को उनकी अंतिम इच्छा के मुताबिक अंतिम संस्कार का मौका देने को कहा। अनंतनाग के सांसद और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता हसनैन मसूदी ने कहा कि मुद्दे पर बृहस्पतिवार शाम उन्होंने सिन्हा से बात की थी और राज्यपाल ने उन्हें निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया था।

अखिलेश यादव ने साधा मोदी सरकार पर निशाना, कहा- भाजपा झूठ पर शोध करती और नफरत फैलाती है

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी झूठ पर शोध करती है और नफरत फैलाती है। यहां समाजवादी पार्टी के मुख्यालय में शुक्रवार को नव वर्ष की शुभकामना और बधाई देने आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता को सच्चाई बतानी है और सपा सरकार की उपलब्धियों के बारे में भी बताना है। मंहगाई बढ़ गई है और सरकार किसानों को बहका रही है।

सपा की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार अखिलेश यादव ने कहा, किसानों को बाजार के सहारे नहीं छोड़ा जा सकता है, लेकिन भाजपा सरकार कॉरपोरेट की पक्षधर है, इसीलिए किसान विरोधी तीन कानून बनाकर उन्हें बर्बाद करने का षड्यंत्र रचा है, जिसके विरोध में किसान आक्रोशित है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र बचाने का आखिरी चुनाव अगले वर्ष 2022 में होना है और यह भाजपा को हराने का अंतिम अवसर है। किसान, गरीब, नौजवान सभी भाजपा के विरुद्ध लामबंद हो रहे हैं और समाजवादी पार्टी के साथ हैं।

विज्ञप्ति के अनुसार सपा संस्थापक व पूर्व रक्षा मंत्रीमुलायम सिंह यादव ने नववर्ष 2021 के लिए सभी देशवासियों को बधाई देते हुए उनके सुख-समृद्धि की कामना की है और सन 2022 के विधानसभा चुनावों में बहुमत दिलाकर सपा सरकार बनाने के लिए एकजुट होने को कहा।

तीनों 'काले कानूनों' को निरस्त करे और एमएसपी की गारंटी का कानून बनाए सरकार: सैलजा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस की हरियाणा इकाई की अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने नए साल के पहले दिन शुक्रवार को सिंघू बॉर्डर पर किसानों के बीच पहुंचकर लंगर सेवा में हिस्सा लिया और कहा कि सरकार को तीनों 'काले कानूनों' को तत्काल निरस्त करना चाहिए तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने का कानून बनाना चाहिए। सैलजा की ओर से जारी बयान के मुताबिक, उन्होंने नववर्ष की शुरुआत सिंघू बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों के बीच रात बिताकर की। इस दौरान कुमारी सैलजा ने किसानों से बातचीत की और लंगर सेवा में भी अपना सहयोग दिया। कुमारी सैलजा ने किसानों के नाम एक पत्र भी लिखा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''सरकार को अपना हठ छोड़कर, इन तीनों काले कानूनों को तुरंत प्रभाव से निरस्त करना चाहिए। इसके साथ ही सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून बनाए और यह भी सुनिश्चित करे कि शत प्रतिशत फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ही बिके।'' उन्होंने सरकार से यह आग्रह भी किया, ''पराली से संबंधित पर्यावरण अध्यादेश और बिजली विधेयक पर जो सरकार ने किसान नेताओं से वादा किया है, उसे तुरंत प्रभाव से पूरा किया जाए।''

सैलजा ने कहा, ''इस भीषण ठंड में किसान सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं और 46 किसान अपना बलिदान दे चुके हैं। अकेले हरियाणा से 10 से ज्यादा किसान इस आंदोलन में अपनी जान गंवा चुके हैं। हमारी मांग है कि इस आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों के परिजन को मुआवजा व नौकरी प्रदान की जाए।''

चीन में फंसे दो जहाजों के मुद्दे को तत्परता से उठा रहा है भारत : विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि पिछले कुछ महीनों से चीनी जलक्षेत्र में फंसे दो जहाजों पर एवं उन पर सवार चालक दल के 39 भारतीय सदस्यों की मानवीय जरूरतों का ध्यान रखने और इस मुद्दे का जल्द समाधान निकालने के लिये बीजिंग, हेबेई एवं तियानजिन स्थित चीनी प्रशासन के साथ भारतीय उच्चायोग लगातार सम्पर्क में है। इसके अलावा विदेश मंत्रालय भी नयी दिल्ली स्थित चीनी दूतावास से सम्पर्क बनाए हुए है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने अपने बयान में कहा कि मालवाहक पोत एमवी जग आनंद 13 जून से चीन के हुबेई प्रांत में जिंगटांग बंदरगाह के पास खड़ा है और उस पर 23 भारतीय नागरिक चालक दल के रूप में सवार हैं। उन्होंने बताया कि एक अन्य पोत एमवी अनासतासिया पर 16 भारतीय नागरिक चालक दल के रूप में हैं और यह 20 सितंबर से चीन के काओफिदियन बंदरगाह के पास खड़ा है और माल के निपटारे का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण चालक दल के सदस्य काफी दबाव में हैं और हम स्थिति में इन दोनों मामलों को तत्परता से आगे बढ़ाया जा रहा है।

श्रीवास्तव ने कहा, ''हम समझते हैं कि दूसरे देशों के कई अन्य जहाज अपना माल उतारने की बारी का इंतजार कर रहे हैं।'' प्रवक्ता ने कहा, ''बीजिंग में हमारे उच्चायोग ने लगातार इन दोनों मामलों को चीन के विदेश मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के समक्ष उठाया है और उनसे आग्रह कर रहा है कि जहाज को लंगर डालने की / या चालक दल में बदलने की अनुमति दी जाए।'' उन्होंने बताया कि भारत के राजदूत ने व्यक्तिगत तौर पर चीन के विदेश उपमंत्री के समक्ष उठाया है। मंत्रालय भी इस मुद्दे पर चीनी उच्चायोग के सम्पर्क में है। श्रीवास्तव ने कहा कि चीनी प्रशासन ने हमें बताया है कि स्थानीय प्रशासन द्वारा कोविड-19 के मद्देनजर कई तरह के प्रतिबंध लगाने के कारण इन बंदरगाहों पर चालक दल में बदलाव की अनुमति नहीं दी गई।

उन्होंने कहा कि चीन के विदेश मंत्रालय ने 24 नवंबर 2020 में बताया था कि जिंगटांग बंदरगाह पर चालक दल में बदलाव व्यवहार्य नहीं है और जहाज कंपनी के मालिक/एजेंट चीन के तियानजिन बंदरगाह पर चालक दल में बदलाव के लिये आवेदन कर सकते हैं तथा स्थानीय प्रशासन अनुरोध प्राप्त होने पर इस पर विचार करेगा। प्रवक्ता ने कहा कि संबंधित जहाज कंपनियों से चालक दल में बदलाव को लेकर तेजी से आवेदन करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि जहाज कंपनियां जहाज को वर्तमान स्थिति से लंगर तक ले जाने के लिये लाजिस्टिक सुविधाओं के बारे में आकलन कर रही है, वहीं हमारा उच्चायोग तियानजिन में संबंधित प्राधिकार को चालक दल में बदलाव की मंजूरी को लेकर सम्पर्क में है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम समझते है कि एमवी अनासतासिया समुद्र मेंकोओफिदियन बंदरगाह पर वर्तमान स्थिति से ही चालक दल में बदलाव की संभावना तलाश रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारे उच्चायोग ने कल (बृहस्पतिवार)

को चीनी प्राधिकारियों को विकल्प का प्रस्ताव दिया और इस बारे में उनसे मंजूरी मांगी।'' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हमने चीन के विदेश मामलों के मंत्रालय के बयान को देखा है जो जरूरी सुविधा एवं मदद पहुंचाने को लेकर है। उन्होंने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि जहाज पर उत्पन्न मानवीय स्थिति को देखते हुए यह सहायता तत्परता तथा व्यवहारिक एवं समयबद्ध तरीके से प्रदान की जाएगी।'' श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार इस गतिरोध का जल्द समाधान निकालने के साथ चालक दल की मानवीय जरूरतों का ध्यान रखने के लिये चीनी प्रशासन के साथ नियमित सम्पर्क बनाए हुए है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)